समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जुलाई २०२० • वर्ष ७१ • अंक ०७

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

✷ श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया होंगे सम्मेलन के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष

✷ सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक में हुए निर्विरोध निर्वाचित

निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया को राँची में हार पहनाकर बधाई देते झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल; साथ में परिलक्षित हैं धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला गाड़ोदिया।

इस अंक में –

- अध्यक्षीयः आपदाकाल में वंचितों की मदद हमारा नैतिक कर्त्तव्य
- सम्पादकीयः आंतरिक शुचिता हो हमारी प्राथमिकता
- रपटः अखिल भारतीय समिति की बैठक, राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं स्थायी समिति की संयुक्त बैठक
- सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत

To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully Anmol™

celebrating 25 years

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

समाज विकास

◆ जुलाई २०२० ◆ वर्ष ७१ ◆ अंक ०७
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** ५
  आंतरिक शुचिता हो हमारी प्राथमिकता
- **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** ७
  आपदाकाल में वंचितों की मदद हमारा नैतिक कर्त्तव्य
- **समाचार सार / प्रांतीय समाचार** ८
- **रपट –**
  अखिल भारतीय समिति की बैठक ९-१२
  राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं स्थायी समिति की संयुक्त बैठक १७-१८
  पश्चिम बंग सम्मेलन द्वारा वेबिनार का आयोजन २१
- देव-स्तुति २२
- सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत २३-२६

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादक की कलम से:

यह हर्ष का विषय है कि आगामी सत्र के लिये श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

मैं श्री गाड़ोदिया से २०१७ में सम्पर्क में आया जब वे झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष थे। उसी समय मेरे राष्ट्रीय महामंत्री के कार्यकाल में अखिल भारतीय समिति की बैठक झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित हुई थी। शनैः शनैः सम्पर्क में निकटता एवं आत्मीयता का विकास हुआ। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में पिछले दो वर्षों में उन्होंने अपनी कार्यकुशलता एवं समर्पण भावना की छाप छोड़ी है। इस दौरान उन्होंने आठ राज्यों का दौरा किया। इनमें से कुछ दौरों में वे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ के साथ थे। दक्षिण भारत में सम्मेलन के विस्तार में उनकी अत्यंत सक्रिय और महत्वपूर्ण भूमिका रही। संरक्षक एवं विशिष्ट संरक्षक सदस्यों की वृद्धि में भी उनकी भूमिका रही।

गोवर्धन जी मिलनसार व्यक्ति हैं। सबके साथ मिल-जुलकर कार्य सम्पन्न करने की कला है उनमें। गोवर्धन यानि 'गो' का वर्धन। गो का अर्थ गाय, इन्द्रियाँ एवं चेतना भी होता है। उनकी राशि कुंभ है। साधारणतः कुंभ राशि के व्यक्ति बोलने से अधिक सुनना पसंद करते हैं। व्यवहार में काफी अनुशासित रहते हैं। लोगों से घुलना-मिलना पसंद करते हैं। इस राशि के लोग रचनात्मक इंसान होते हैं। समाज के प्रति दूरदर्शी नजरिया रखते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे अहम एवं गुरुदायित्वपूर्ण पद के सफल निष्पादन के लिये इन सब गुणों की आवश्यकता पड़ती है।

गाड़ोदिया जी को हार्दिक बधाई! मेरी शुभकामना है कि आपका कार्यकाल सम्मेलन के इतिहास में नया कीर्तिमान स्थापित करे।

चिट्ठी आई है

सर्वप्रथम मेरी पूरी टीम की तरफ से समाज विकास के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को प्रणाम! आपकी ३२ पन्नों की अप्रैल माह की पत्रिका बहुत सुंदर छपी है। मुख्य पृष्ठ बहुत सुंदर है एवं श्रीकृष्ण-सुदामा की प्रेम कथा का वर्णन अविस्मरणीय है। उच्च शिक्षा कोष में आप लोगों ने अभी तक २ करोड़ ३५ लाख रुपयों का अनुदान दिया है जो ये दर्शाता है कि मारवाड़ी सम्मेलन किस तत्परता के साथ समाज के चहुमुँखी विकास हेतु अग्रसर है। मैं अपने आप को खुशनसीब मानती हूँ कि मैं ऐसे सम्मेलन से जुड़ी हूँ। मारवाड़ी महिला सम्मेलन १९ प्रदेशों में ४४३ शाखाओं के साथ कार्यरत है। वर्तमान में हमारी कुल सदस्य संख्या १६१४० है। आप सबों से प्रेरणा लेते हुए हम महिला सम्मेलन की बहनें भी उच्च शिक्षा कोष तथा अन्य समाजहित एवं जनकल्याण के कार्य के लिए प्रयासरत रहेंगे। इसी भरोसे के साथ आप सबका एक बार फिर से धन्यवाद! राधे-राधे, जय श्रीकृष्ण।

– शारदा लाखोटिया, राष्ट्रीय अध्यक्षा
अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

देश के विभिन्न भागों के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को दो करोड़ पैंतीस लाख रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में ५२ लाख रुपयों से अधिक का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other human rights."

उदारहृदय समाजबंधुओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार !

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरुरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज़ चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

आंतरिक शुचिता हो हमारी प्राथमिकता

वर्तमान परिस्थिति में मनुष्य का शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। इन परिस्थितियों में मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करके हम अपने जीवन को पटरी पर ला सकते हैं। योग के महान ग्रंथ पतंजलि योग दर्शन में योग के बारे में कहा गया है – '**योगश्चित वृत्ति निरोधः**' अर्थात मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करना ही योग है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि '**योगः कर्मसु कौशलम्**' यानि कर्मों में कुशलता ही योग है। महर्षि पतंजलि ने अष्टांग योग के तहत यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधि का वर्णन किया है। यम यानि बुरे काम को छोड़ना, नियम – अच्छे काम करना, आसन – शरीर स्वस्थ रखना, प्राणायाम – श्वांसों पर संयम रखना, प्रत्याहार – अपने दोषों को दूर करना, धारणा – चित्त को ध्येय में लगाना। इन सबों का पालन करते हुए क्रमशः ध्यान में स्वयं को नियोग करते हुए समाधि में स्थिर हो जाना। यह एक स्थितप्रज्ञ की स्थिति है जिसका वर्णन गीता में किया गया है। वर्तमान कोरोनाकाल में तन एवं मन को स्वस्थ रखने की जितनी भी बातें बताई जा रही है, सभी इन बिंदुओं में समाहित है। अष्टांग योग के अंतर्गत नियम की व्याख्या करते हुए सूत्र ३२ में कहा गया है - **शौचसन्तोषतपः स्वाध्यायेश्वर प्रणिधानानि नियमाः**। यानि शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्रणिधान पाँच नियम है। अभी हम देख रहे हैं कि शौच पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। शुचिता को हम सिर्फ बाहरी शुचिता के रूप में ही समझते हैं। बाहरी शुचिता का तात्पर्य है कि हम अपने शरीर को स्वच्छ रखें, पर्याप्त पानी पीयें। अपने आसपास के पर्यावरण को स्वच्छ रखें। अभी किसी भी वस्तु को हाथ लगाने के उपरांत हाथ धोना आवश्यक हो गया है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बाहरी शुचिता के साथ-साथ आंतरिक शुचिता भी उससे अधिक महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में अपनी आदतों के कारण मनुष्य मानसिक तनाव से ग्रस्त है। आंतरिक शुचिता के तहत अपने मन से ईर्ष्या, राग, द्वेष, नकारात्मक सोच को मन से निकालकर सद्भावना, मैत्री, करुणा एवं सकारात्मक सोच से मन को ओत-प्रोत रखना अत्यावश्यक है।

वर्तमान परिस्थिति के परिप्रेक्ष्य में हमें यह समझना होगा कि हम परिस्थितियों को बदल नहीं सकते। पर उन परिस्थितियों पर हम अपनी प्रतिक्रिया किस प्रकार की करते हैं, यह हमारे सोच एवं समझ पर निर्भर है। अतएव हमारी प्रतिक्रिया को हमारा मन संचालित करता है। इस संबंध में विस्तृत चर्चा समीचीन होगा। आज हम देखते हैं कि हमारी सोच एवं हमारी कार्यशैली पूरी तरह से धन या अर्थ केंद्रित हो रही है। येन केन प्रकारेण अर्थोपाजन ही जीवन का लक्ष्य बनता जा रहा है। '**स्वदेशे पूज्यते राजा, विद्वान सर्वत्र पूज्यते**' – यह बात अब सिर्फ एक कहावत बन कर रह गई है। जिसके पास धन है वही पूज्य है एवं समाज में आकर्षण का केन्द्र है। धन प्रधान समाजव्यवस्था में अन्य मानवीय गुण गौण हो जाते हैं। इसीलिये तो हम लक्ष्मी माता की आरती में गाते हैं – **ऊँ जय लक्ष्मी माता, जिस घर थारो वासो, तेहि में गुण आता / कर न सके सोई कर ले, मन नहीं धड़काता।** यहाँ पर मैं स्पष्ट करना चाहूँगा कि धनोपार्जन बुरी बात नहीं है। मानवजीवन एवं समाजव्यवस्था में धन का महत्वपूर्ण स्थान है।

जीवन के मान को ऊँचा करने के लिये दोनों शुचिता ही आवश्यक है। हमें यह याद रखना होगा कि जब हम घर में बर्तन माँजते हैं तो बाहर से अधिक अंदर से साफ करने पर ध्यान देना पड़ता है। मैं अपनी भावना को कविगुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर की कविता के माध्यम से व्यक्त करना चाहूँगा जो इस प्रकार है –

भगवान के चरणों पर फूल चढ़ाने मंदिर मत जाओ
सर्वप्रथम अपने घर को प्रेम एवं करुणा के सुगंध से भर दो
भगवान की वेदी पर दीपक जलाने मत जाओ
पहले अपने हृदय से पाप, घमंड एवं अहम का अंधेरा हटाओ
प्रार्थना में अपने माथा को झुकाने मंदिर मत जाओ
पहले अपने साथियों के सामने विनम्रता से झुकना सीखो
एवं उनसे क्षमा माँगो जिसको तुमने क्षति पहुँचाई है
अपने घुटनों के बल झुककर प्रार्थना करने मंदिर मत जाओ
पहले उसे ऊपर उठाओ जो बोझ से दबा हुआ है
अपने पापों का क्षमा माँगने मत जाओ
पहले उन्हें दिल से माफ करो जिन्होंने तुम्हें कष्ट पहुँचाया है

अगर हम आंतरिक शौच की ओर ध्यान नहीं देंगे तो अपना मानसिक संतुलन खो देंगे एवं तनावग्रस्त रहेंगे। यह तनाव बाहरी उपायों से हम दूर नहीं कर सकते। आंतरिक शौच से मन की प्रफुल्लता, एकाग्रता, इंद्रिय विषय एवं आत्मदर्शन की योग्यता क्रमशः प्राप्त होने लगती है। साथ ही साथ हमारे जीवन की गुणवत्ता स्वतः बढ़ने लगती है। स्वयं को श्रेष्ठ बनाकर हम समाज में भी श्रेष्ठ योगदान कर सकते हैं।

शिव कुमार लोहिया

HAPPINESS COMES IN MANY COLOURS. FIND YOURS IN THE Happy Rainbow Box.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

Srei, since three decades, has been in the business of financing infrastructure, developing projects and empowering entrepreneurs. Our Happy Rainbow Box is a collection of such happy and optimistic thoughts that have the potential to change the world for the better.

Infrastructure Project & Equipment Finance | Medical, IT, Agriculture & Mining Equipment Finance | Infrastructure Project Advisory, Development & Investments | Investment Banking | Insurance Broking

Log on to www.happyrainbowbox.com and #SpreadTheHappy

LOWE | SAATCHI & SAATCHI

अध्यक्षीय

आपदाकाल में वंचितों की मदद हमारा नैतिक कर्त्तव्य

– सन्तोष सराफ

गत २२ मार्च को गुवाहाटी में अखिल भारतीय समिति की बैठक आयोजित होनी थी, पर कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थिति को देखते हुए स्थगित कर दी गई। यह स्थगित बैठक जूम एप के माध्यम से ११ जुलाई २०२० को आयोजित की गई। इस बैठक में सम्मेलन के अगले सत्र के लिये श्री गोवर्धन प्रसाद जी गाड़ोदिया को राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। मैं सम्मेलन के प्रत्येक सदस्य की ओर से एवं स्वयं मेरी ओर से श्री गाड़ोदिया को हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूँ! वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में सम्मेलन की गतिविधियों की सफलता में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। विभिन्न प्रांतों के दौरों में अनेको बार मेरे साथ जाकर उन्होंने अपना सहयोग दिया। श्री गाड़ोदिया मृदुभाषी, हँसमुख एवं सकारात्मक सोच के धनी हैं। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में सम्मेलन नई ऊँचाइयाँ हासिल करेगा।

बंधुओं, पिछले कुछ महीनों से हम कोरोना महामारीकाल से गुजर रहे हैं। लॉकडाउन क्रमशः खुल रहा है एवं आगे भी खुलता जायेगा। फलस्वरूप संक्रमण पूरे देश में दिनोंदिन बढ़ रहा है। ऐसी आशा जताई जा रही है कि यह संक्रमण आगे और बढ़ेगा। इस कारण जनता पूरी तरह से त्रस्त है। समस्याएँ आगे और भी बढ़ेंगी। आर्थिक गतिविधियाँ अभी बाधित है जिसके कारण रोजगार के अवसर संकुचित हो गये हैं। जनसाधारण के लिये आय के साधनों का अभाव है। घर-गृहस्थी में व्यक्ति मानसिक तनाव की स्थिति में अपना जीवनयापन करने को बाध्य है। घर में बुजुर्गों की भी अलग समस्या है। बहुत से बुजुर्ग तो अकेले ही रहते हैं एवं पेंशन पर निर्भर हैं। ऐसे बुजुर्ग जिनके आय का कोई साधन नहीं है, हमें उनकी आर्थिक सहायता करनी चाहिए। पहले भी मैंने सभी प्रांतों से अनुरोध किया था कि गरीबों के लिए अन्नपूर्णा रसोई कार्यक्रम की शुरूआत समय की माँग है। मुंबई जैसे बड़े शहरों में इस तरह के कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। सभी प्रांतीय अधिकारियों से मेरी विनम्र विनती है कि अविलम्ब इस सेवा-प्रकल्प को हाथ में लें। यह समय समाज को देने का है। समाज के कमजोर वर्ग की ओर सहयोग का हाथ बढ़ाना हमारा पुनीत कर्तव्य है। इसके अलावा और भी कोई सेवाकार्य जिसकी समाज में आवश्यकता हो एवं जो संभव हो अवश्य हाथ में लें।

इस माह दो वेबिनार सफलतापूर्वक आयोजित किये गये। देश के सुप्रसिद्ध ऑर्थोपैडिक शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज मारोती जैन ने वर्तमान परिस्थिति में किस प्रकार स्वयं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखा जा सकता है, इस संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। साथ ही साथ श्रोताओं के प्रश्नों का उत्तर भी दिया। दूसरे वेबिनार को देश के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. के.के. अग्रवाल ने सम्बोधित किया। उन्होंने विशेषकर कोरोना से कैसे बचा जाए एवं इसके इलाज में किन बातों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, इस संबंध में विस्तृत चर्चा की। ज्ञातव्य रहे कि डॉ. के.के. अग्रवाल पिछले तीन महीनों से पूरे देश में कोरोना के विषय में जानकारी के प्रचार-प्रसार में निरंतर संलग्न हैं। वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलने पर जनसाधारण को अनावश्यक तनाव एवं भय से मुक्ति मिल रही है। सम्मेलन द्वारा आयोजित वेबिनार में भी उन्होंने अनेक जानकारियाँ दी। श्रोताओं के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया। सैकडों की संख्या में श्रोताओं ने वेबिनार में भाग लिया। दोनों ही वेबिनार सफल रहे।

सभी समाजबंधुओं से मेरा विनम्र अनुरोध है कि इस बीमारी से बचने के लिए आवश्यक सावधानियाँ स्वयं भी अपनाएँ एवं अपने परिवार तथा समाज में भी सभी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें। अगर आप इस बीमारी के संक्रमण से स्वयं को एवं अन्य को बचाने में सफल होते हैं तो यह समाज की एवं देश की बहुत बड़ी सेवा होगी। कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में मास्क की मुख्य भूमिका है। साथ ही साथ ६ फीट की शारीरिक दूरी एवं हाथ की स्वच्छता मुख्य सावधानियाँ हैं, जिन्हें अपनाने की जरूरत है।

सभी स्वस्थ रहें, यही मेरी कामना है। आगामी रक्षाबंधन के अवसर पर सभी समाजबंधुओं को मेरी अग्रिम शुभकामनाएँ।

जय समाज, जय राष्ट्र!

प्रांतीय समाचार : बिहार

बिहार मारवाड़ी सम्मेलन की उल्लेखनीय पहल

कोरोना पॉजिटिव मरीजों को मिलेगा निःशुल्क ऑक्सीजन सिलेंडर

कोरोना के बढ़ते प्रकोप को ध्यान में रखते हुए बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर बैंक की शुरूआत की गई है। सम्मेलन के न्यू डाकबंगला रोड, पटना स्थित सम्मेलन भवन में इसकी शुरूआत हुई। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिनोद तोदी** ने कहा कि कोरोनाग्रस्त व्यक्ति को साँस लेने में तकलीफ होती है और उन्हें ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। इसलिए यह व्यवस्था वर्तमान में उन रोगियों के लिए प्रारंभ की जा रही है जिन्हें साँस लेने में तकलीफ है। शुरू में २१ ऑक्सीजन सिलेंडर से यह सेवा शुरू की गई है। जरूरत पड़ने पर और अधिक सिलेंडर की व्यवस्था की जाएगी।

श्री तोदी ने बताया कि ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए उपयोगकर्ता को पाँच हजार रुपये की जमानत राशि जमा करनी होगी। सिलेंडर वापस लौटाने पर यह धनराशि वापस कर दी जाएगी। संयोजक गिरधारी झुनझुनवाला ने कहा कि जिस किसी को जरूरत हो वे ०९३३४४९६०३९ मोबाइल नंबर पर फोन कर इसका लाभ उठा सकते हैं।

समाचार सार

कोरोनाकाल में 'मारवाड़ी सेवा समिति नेपाल' द्वारा राहत एवं सेवाकार्य

नेपाल में मारवाड़ी समुदाय का इतिहास करीब २०० साल पुराना है। राजस्थान और हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों से उस कठिन समय में मारवाड़ी समुदाय के लोग नेपाल आए, उन्होंने यहाँ के लोगों को अपनाकर उनके सुख-दुःख में साथ देते हुए अपना व्यापार शुरू किया। देश में कोई भी विपदा आई, कोई भी कठिन समय आया, इस समुदाय ने स्थानीय समाज के साथ मिलकर तन-मन-धन से लोगों की सेवा की। सेवाकार्य के इसी क्रम में काठमाण्डु में साल १९५३ में विशुद्ध सेवा के उद्देश्य से 'मारवाड़ी सेवा समिति नेपाल' नामक संस्था की स्थापना हुई। शुरू से ही सेवा के प्रति समर्पित होकर इस संस्था के द्वारा होमियोपैथी औषधालय का संचालन शुरू हुआ जो आज भी सुचारु रुप से जारी है।

इस औषधालय में रोजाना २५०-३०० लोगों का निःशुल्क परीक्षण तथा औषधि वितरण किया जाता है। इसके अलावा 'मारवाड़ी सेवा समिति नेपाल' द्वारा गौशाला-धर्मशाला संचालन, निःशुल्क पानी वितरण, निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा, निःशुल्क शववाहन, निःशुल्क कृत्रिम पैर कार्यशाला जैसी अनेक सेवाएँ निरन्तर जारी है। कुछ वर्ष पूर्व नेपाल में भूकम्प आया, उस समय भी इस संस्था के अंतर्गत संपूर्ण मारवाड़ी समाज ने पुनर्वास एवं राहत कार्यों में बढ़-चढ़कर अपना योगदान दिया।

अभी कोविड-१९ की विश्वव्यापी महामारी के वक्त जब से नेपाल में लॉकडाउन शुरू हुआ तब से मारवाड़ी समाज स्थानीय लोगों की सेवा में जुट गया। करीब १० हजार परिवारों को खाद्यान्न वितरण, ५ लाख लोगों को मास्क, ग्लव्स आदि का वितरण किया गया। इसी क्रम में पिछले दो महीनों से इस महामारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता वृद्धि हेतु होमियोपैथी औषधि 'आर्सेनिक एल्बम-३०सी' का देशव्यापी निःशुल्क वितरण शुरू किया गया। यह औषधि भारत के आयुष मंत्रालय तथा नेपाल के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा कोविड-१९ के लिए प्रतिरोधक क्षमता वृद्धि हेतु प्रोटोकॉल में जारी की गई है। अभी तक एक करोड़ पच्चीस लाख लोगों को इस दवाई का वितरण किया जा चुका है। भारत-नेपाल बॉर्डर क्षेत्र सहित नेपाल के सभी ७७ जिलों में इस दवाई का वितरण अभी भी जारी है।

गोवर्धन गाड़ोदिया होंगे सम्मेलन के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष

कोरोनाकाल में आये सकारात्मक बदलावों को भविष्य में बरकरार रखना जरूरी : संतोष सराफ

"अपने स्थापना काल से ही, समाज सुधार मारवाड़ी सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य रहा है। सम्मेलन समाज सुधार के लिए विभिन्न स्तर पर प्रयासरत रहा है एवं समाज में व्याप्त कुरीतियों के प्रति लोगों को सजग-सतर्क करता आया है। कोरोना के कारण, इन कुरीतियों के निवारण हेतु लोगों में कई सकारात्मक बदलाव आये हैं। अपने संस्कार-संस्कृति के साथ-साथ, लोग स्वास्थ्य, पर्यावरण और धर्म के प्रति जागरूक हुए हैं। हमें अपने अंदर आये इन बदलावों को भविष्य में भी बरकरार रखना होगा।" ये उद्‌गार हैं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** के जो उन्होंने गत ११ जुलाई २०२० को आयोजित अखिल भारतीय समिति की वीडियो बैठक में व्यक्त किये।

श्री सराफ ने कहा कि आपदा की स्थिति में सहयोग का हाथ बढ़ाना मारवाड़ी समाज की संस्कृति रही है। सम्मेलन अपने केन्द्रीय, प्रादेशिक एवं स्थानीय शाखाओं के माध्यम से अपने-अपने स्तर पर संसाधनहीन वर्ग की तत्परता से सहायता कर रहे हैं।

बैठक का सभापतित्व करते हुए श्री सराफ ने सर्वप्रथम सभी का स्वागत किया एवं वर्तमान सत्र (२०१८-२०) के प्रमुख कार्यकलापों के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि सदस्य-संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी, राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा प्रांतों के दौरे, उच्च शिक्षा एवं रोजगार प्राप्त करने में युवक-युवतियों को सहायता, समाज के विशिष्ट लोगों को सम्मेलन के कार्यक्रमों से जोड़ना आदि इस सत्र की विशिष्टताएँ रही।

अपने संबोधन में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि मौजूदा सत्र में श्री संतोष सराफ एवं उनकी टीम द्वारा जितने भी कार्य हुए हैं, वो उनकी उम्मीद से ज्यादा हैं। लगभग हर क्षेत्र, विशेषकर संगठन-विस्तार में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। दक्षिण-भारत के सभी राज्यों में सम्मेलन की प्रादेशिक शाखाओं का गठन/पुनर्गठन मील के पत्थर हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि श्री गाड़ोदिया के लिए यह एक चुनौती एवं अवसर दोनों हैं। उनसे उम्मीद एवं अपेक्षाएँ बहुत हैं, साथ ही विश्वास भी है कि उनके नेतृत्व में सम्मेलन नयी ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा।

मौजूदा सत्र हर दृष्टि से अव्वल, संगठन-विस्तार अभूतपूर्व : सीताराम शर्मा

अखिल भारतीय समिति की वीडियो बैठकः राँची में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के निवास पर सर्वश्री ओम प्रकाश अग्रवाल, बसंत मित्तल, राजकुमार केडिया, पवन शर्मा, बजरंगलाल अग्रवाल एवं भगवती प्रसाद भुवालका।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने कहा कि किसी भी संस्था की नींव उसकी सदस्यता होती है। इस दृष्टि से मौजूदा सत्र अविस्मरणीय रहा। कोरोनाकाल में उन्होंने लोगों को समरसता एवं आपसी सामंजस्य के साथ आगे बढ़ने का मंत्र दिया। साथ ही, उन्होंने परिवार के साथ अधिकाधिक समय व्यतीत करने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि इस चुनौती का सामना हमें मिल-जुलकर करते हुए राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपनी भूमिका का निर्वाह करना है। श्री गाड़ोदिया को बधाई देते हुए उन्होंने अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण **सर्वश्री डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार** एवं **प्रह्लाद राय अगरवाला** ने वर्तमान सत्र में सम्मेलन के क्रियाकलापों एवं संगठन-विस्तार के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ को बधाईयाँ दी। अगले सत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचन पर श्री गाड़ोदिया को बधाई देते हुए उन्होंने अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक (१५ सितम्बर २०१९; कोलकाता) का कार्यवृत पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की

गतिविधियों पर '**महामंत्री की रपट**' और वर्तमान सत्र में अखिल भारतीय समिति द्वारा लिये गए निर्णयों पर '**कार्यवाही की रपट**' प्रस्तुत की। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने सम्मेलन के आय-व्यय और आर्थिक स्थिति पर अपनी संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की।

चुनाव अधिकारी श्री नंदलाल सिंघानिया ने नये सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन पर अपनी रपट प्रस्तुत की और संविधानसम्मत प्रक्रिया से वर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया सम्मेलन के अगले सत्र के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

श्री गाड़ोदिया ने अपने संबोधन में सबका आभार प्रकट किया एवं कहा कि वे सम्मेलन के कार्यकलापों को और गति देने के लिए सबके साथ मिलकर हर संभव प्रयत्न करेंगे। उन्होंने सभी अग्रजों एवं मनीषियों को नमन करते हुए कहा कि विभिन्न सामाजिक कुरीतियों एवं आडम्बरों का निवारण एवं समाज का सर्वांगीण विकास मारवाड़ी सम्मेलन का लक्ष्य है। कोरोना को जीवन और जीविका पर अभूतपूर्व संकट बताते हुए उन्होंने कहा कि संसाधनहीन तबकों की रोजमर्रा की जरूरतों की पूर्ति में सहायता हमारा नैतिक दायित्व है। उन्हें ये भरोसा दिलाना होगा कि इस संकटकाल में हम उनके साथ हैं। साथ ही, कोरोना के निवारण हेतु उन्हें मास्क, स्वच्छता एवं सामाजिक दूरी के विषय में सतर्क एवं जागरूक करना होगा।

सम्मेलन के पूर्व महामंत्री **श्री शिवकुमार लोहिया** एवं **श्री भानीराम सुरेका** ने मौजूदा सत्र को उत्कृष्ट बताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया सम्मेलन को नई ऊँचाईयों पर ले जायेंगे।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विवेक गुप्त** ने कहा कि सम्मेलन से जुड़ना एवं काम करना उनके लिए सौभाग्य एवं गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन सत्र दर सत्र और बेहतर हुआ है एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वाह किया है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री अनिल कुमार जाजोदिया** ने विश्वास व्यक्त किया कि गोवर्धन जी अपने कुशल नेतृत्व में सम्मेलन को और आगे ले जायेंगे। अपने साहित्यिक अंदाज में 'गोवर्धन' की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मानवजाति पर आयी विपत्ति से 'गोवर्धन' ने हमें त्राण दिलाया था। हमारे निर्वाचित अध्यक्ष गोवर्धनजी भी समाज को सही दिशा देंगे और सुरक्षित रखेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव

अखिल भारतीय समिति की बैठक की कार्यसूची के अनुसार, नये सत्र हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन पर अपनी रपट प्रस्तुत करते हुए चुनाव अधिकारी **श्री नंदलाल सिंघानिया** ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन से संबंधित सम्मेलन के संविधान की धारा १५ और राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की १५ दिसम्बर २०१९ को आयोजित बैठक में पारित नियमावली के अंतर्गत चुनाव की प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण दिया। तत्पश्चात् श्री नंदलाल सिंघानिया एवं सहायक चुनाव अधिकारी **श्री संजय हरलालका** ने अगले सत्र के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु की गई कार्यवाही के विषय में बताया। श्री सिंघानिया ने बताया कि विभिन्न प्रांतों से सम्मेलन के अगले सत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतु एक ही नाम का मनोनयन प्राप्त हुआ है जो है वर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का। अतः प्रादेशिक प्रस्तावों के आधार पर, राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एकमात्र पात्र हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने समिति की सम्मति लेकर श्री गोवर्धन गाड़ोदिया को सम्मेलन के अगले सत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद हेतु निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि से सहमति प्रदान की और बधाइयों का ताँता लग गया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों सर्वश्री सीताराम शर्मा, नंदलाल रुँगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार, प्रह्लाद राय अगरवाला, उपाध्यक्षों विवेक गुप्त, राजकुमार पुरोहित, विजय किशोरपुरिया, अनिल जाजोदिया, राष्ट्रीय पदाधिकारियों संजय हरलालका, दामोदर बिदावतका, गोपाल अग्रवाल, कैलाशपति तोदी, प्रादेशिक अध्यक्षों नंदकिशोर अग्रवाल, मधुसूदन सीकरिया, लक्ष्मीपत भूतोड़िया, बिनोद तोदी, गोविन्द अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंघानिया, गोकुल चंद बजाज, डॉ. सुभाष अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, अशोक मूँधड़ा, उमाशंकर अग्रवाल, चांदमल अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल सहित दिनेश जैन, पवन सुरेका, अशोक जालान, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, निर्मल झुनझुनवाला, सुरेश सोंथलिया, ओमप्रकाश खण्डेलवाल, महावीर सिंघानिया, उमेश खण्डेलवाल आदि ने श्री गोवर्धन गाड़ोदिया को निर्वाचन हेतु बधाइयाँ दी और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही, वर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष सराफ को उनके सफल कार्यकाल के लिए बधाइयाँ दी।

सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि मैं पिछले पाँच कार्यकाल से सम्मेलन के साथ जुड़ा हुआ हूँ। इस दौरान सम्मेलन ने कई प्रतिमान स्थापित किये और आगे भी नये कीर्तिमान स्थापित होते रहेंगे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया को समाज के प्रति समर्पित एवं नेतृत्व-कुशल बताते हुए उन्होंने कहा कि इनके कार्यकाल में सम्मेलन प्रगतिपथ पर आरूढ़ रहेगा।

संक्षिप्त जीवन परिचय : श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का जन्म २९ अक्टूबर १९४६ को राजस्थान राज्य के नागौर जिला अंतर्गत लाडनूं तहसील के लैडी ग्राम में सेठजी श्री रावतमलजी गाड़ोदिया के द्वितीय पुत्र के रूप में हुआ। आप तीन भाई एवं चार बहनें हैं। प्रारंभिक शिक्षा लैडी ग्राम में ही हुई। हाई स्कूल की परीक्षा सेठ जगन्नाथ तापड़िया उच्च माध्यमिक विद्यालय, जसवंतगढ़ से सर्वोच्च अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की एवं नेशनल मेरिट स्कालरशीप के साथ सेठ लादूराम तापड़िया मेरिट स्कालरशीप भी प्राप्त की। बांगड़ कॉलेज डीडवाना से बी.कॉम की डिग्री लेने के बाद १९६६ में कलकत्ता आये एवं कलकत्ता विश्वविद्यालय से लॉ (एल.एल.बी.) एवं (आई.सी.डब्ल्यू.ए.) से कॉस्ट अकाउंटेन्सी का अध्ययन शुरू किया। बांगड़ कॉलेज में अध्ययन के समय बांगड़ ग्रुप के श्री रंगनाथजी बांगड़ के संपर्क में आये एवं कलकत्ता में बांगड़ ग्रुप की हेस्टिंग जूट मिल से कैरियर का शुभारंभ किया। प्रातः लॉ कॉलेज, दिन में नौकरी एवं सायंकाल में आई.सी.डब्ल्यू.ए. का अध्ययन। उद्यमी प्रकृति की वजह से निजी व्यवसाय का मन बनाया और आप राँची आ गये। व्यवसाय के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहे।

आपने राँची में अग्रवाल सभा की स्थापना में सक्रिय योगदान दिया एवं मंत्री, उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष पद पर रहे। संप्रति संपत्ति संरक्षण मंडल के सदस्य हैं। राँची की सबसे पुरानी सामाजिक संस्था मारवाड़ी सहायक समिति के मंत्री एवं उपाध्यक्ष रहे।

आप राँची चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष रहे। लॉयन्स क्लब ऑफ राँची ग्रेटर के अध्यक्ष रहे। फेडरेशन ऑफ झारखण्ड कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के कोषाध्यक्ष रहे। दक्षिणी-पूर्वी रेलवे के क्षेत्रिय उपभोक्ता सलाहकार समिति के सदस्य रहे। लैडी हितकारनी समिति, लैडी, राजस्थान के संरक्षक हैं। रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य हैं। नागरमल मोदी सेवा सदन के कार्यकारिणी सदस्य हैं।

आप झारखण्ड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना से ही सक्रिय रहे एवं संविधान का प्रारूप तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। पहले अधिवेशन की स्मारिका का संपादन भी किया। प्रमंडलीय उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष मुख्यालय एवं वरीय उपाध्यक्ष भी रहे।

आप सत्र २०१५-१७ में झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रहे और झारखंड में सम्मेलन के संगठन-विस्तार में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। आप अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०१८-२० में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।

राँची की कई सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों के संविधान को मूर्त रूप देने में आपने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

आपकी सामाजिक सेवाओं के आलोक में अग्रवाल सभा ने सन् २०१३ में सभा के सर्वोच्च सम्मान 'श्री अग्रसेन सम्मान' से सम्मानित किया।

आपका विवाह सुशीलाजी के साथ हुआ। ईश्वर कृपा से एक पुत्री, तीन पुत्रों, नाती, नतिनी, पौत्रों एवं पौत्रियों का आपका भरा-पूरा परिवार है। वर्त्तमान में आप राँची में निवास करते हैं।

नैसर्गिक स्वभाव से आप प्रबुद्ध, जागरूक एवं संवेदनशील हैं। विचारों में विवेक का संतुलन है एवं संवर्धन की योग्यता है। समाज के सभी वर्गों से सद्भाव है। आप मृदुभाषी, सम्यक एवं संतुलित वाक्शक्ति के धनी हैं। सामाजिक कार्यों हेतु सदैव सहजता से उपलब्ध हैं। सदैव सब को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। उत्तरदायित्व एवं कृतज्ञता भाव से ओत-प्रोत हैं।

उत्कल सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री अशोक जालान** ने श्री संतोष सराफ को उनके कार्यकाल एवं उपलब्धिओं के लिए बधाई देते हुए कहा कि आपसे मिले प्रेरणा से अच्छा कार्य कर सकेंगे। साथ ही, नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया को बधाई देते हुए अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षों **श्री राजकुमार पुरोहित** एवं **श्री विजय किशोरपुरिया**, संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका**, संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल**, रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन **श्री दिनेश जैन**, प्रादेशिक अध्यक्षों **सर्वश्री नंदकिशोर अग्रवाल** (पश्चिम बंग), **मधुसूदन सीकरिया** (पूर्वोत्तर), **लक्ष्मीपत भूतोड़िया** (दिल्ली), **बिनोद तोदी** (बिहार), **गोविन्द अग्रवाल** (उत्कल), **पुरुषोत्तम सिंघानिया** (छत्तीसगढ़), **गोकुल चंद बजाज** (गुजरात), **डॉ. सुभाष अग्रवाल** (कर्नाटक), **ओम प्रकाश अग्रवाल** (झारखंड), **अशोक मूँधड़ा** (तमिलनाडु), **उमाशंकर अग्रवाल** (उत्तर प्रदेश), **चांदमल अग्रवाल** (आंध्र प्रदेश), **श्याम सुंदर अग्रवाल** (केरल), प्रादेशिक महामंत्री **अमर बंसल** (छत्तीसगढ़), अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्रीमती सुषमा अग्रवाल** के अलावा **सर्वश्री निर्मल झुनझुनवाला, जय प्रकाश मूँधड़ा, सुरेश सोंथलिया, ओम प्रकाश खंडेलवाल** ने अपने वक्तव्य में नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया को बधाई देते हुए अपने संक्षिप्त विचार प्रकट किये।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पवन गोयनका** ने सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त किया और श्री गाड़ोदिया को बधाइयाँ दी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है और हमें संगठन-विस्तार की गति को बनाये रखना होगा। **बैठक में सर्वश्री जुगल किशोर सर्राफ, पवन सुरेका, भागचंद पोद्दार, ओमप्रकाश प्रणव, विनोद जैन, कमल केडिया, कौशल राजगढ़िया, विष्णु जैन, मनोज बजाज, अनिल अग्रवाल, विनय सरावगी, कमल नोपानी, ललित गाँधी, राजकुमार तिवाड़ी, मतादीन अग्रवाल, ओ.पी. टिबड़ेवाल, जयदयाल अग्रवाल, नीरज भिवानीवाला, सुरेश कमानी, बाबुलाल अग्रवाल, रंजीत डालमिया, बाबुलाल गग्गड़, महावीर मनकसिया, अरुण प्रकाश मल्लावत, किशन लाल अग्रवाल, धरमचंद बजाज, अशोक अग्रवाल, प्रियम तातेड़, नरेश मंत्री, बसंत पोद्दार, अशोक भालोटिया, अशोक जैन, अमित मूँधड़ा, विजय खेमका, प्रदीप जेवराजका, मनोज जैन, अभिषेक जैन, राजकुमार मिश्रा, विष्णु दयाल अग्रवाल, धर्मचंद मोदी, गणेश कुमार खेमका, गणेश परोहित, अरुण खेमका, शिव टेकड़ीवाल, ओम प्रकाश पोद्दार, जे.के. बजाज, श्रीमती ऊषा बजाज, पूर्व न्यायाधीश रमेश मेरठिया सहित पूरे देश से सम्मेलन के लगभग १८० पदाधिकारियों-सदस्यों ने भाग लिया।**

प्रेरक प्रसंग

परनिंदा न करिये

राजा पृथु एक दिन सुबह-सुबह घोड़ों के तबेले में जा पहुँचे। तभी वहाँ एक साधु भिक्षा माँगने आ पहुँचा। सुबह-सुबह साधु को भिक्षा माँगते देख पृथु क्रोध से भर उठे। उन्होंने साधु की निंदा करते हुये, बिना विचारे तबेले से घोड़े की लीद उठाई और उसके पात्र में डाल दी। साधु भी शांत स्वभाव का था, सो भिक्षा ले वहाँ से चला गया और वह लीद कुटिया के बाहर एक कोने में डाल दी।

कुछ समय उपरांत राजा पृथु शिकार के लिये गये। पृथु ने जब जंगल में देखा कि, एक कुटिया के बाहर घोड़े की लीद का बड़ा सा ढेर लगा हुआ है। उन्होंने देखा कि, यहाँ तो न कोई तबेला है और न ही दूर-दूर तक कोई घोड़े दिखाई दे रहे हैं। वह आश्चर्यचकित हो कुटिया में गये और साधु से बोले, "महाराज! आप हमें एक बात बताइये, यहाँ कोई घोड़ा भी नहीं, न ही तबेला है, तो यह इतनी सारी घोड़े की लीद कहाँ से आई?"

साधु ने कहा, "राजन्! यह लीद मुझे एक राजा ने भिक्षा में दी है। अब समय आने पर यह लीद उसी को खानी पड़ेगी।"

यह सुन राजा पृथु को पूरी घटना याद आ गई। वह साधु के पैरों में गिर क्षमा माँगने लगा। उसने साधु से प्रश्न किया, "हमने तो थोड़ी-सी लीद दी थी, पर यह तो बहुत अधिक हो गई?"

साधु ने कहा, "हम किसी को जो भी देते हैं, वह दिन-प्रतिदिन प्रफुल्लित होता जाता है और समय आने पर हमारे पास लौटकर आ जाता है, यह उसी का परिणाम है।"

यह सुनकर पृथु की आँखों में अश्रु भर आये। वह साधु से विनती कर बोले, "महाराज! मुझे क्षमा कर दीजिये। मैं आइन्दा ऐसी गलती कभी नहीं करूँगा। कृपया कोई ऐसा उपाय बता दीजिये, जिससे मैं अपने दुष्ट कर्मों का प्रायश्चित कर सकूँ।"

राजा की ऐसी दुःखमयी हालत देखकर साधु बोला "राजन्! एक उपाय है। आपको कोई ऐसा कार्य करना है, जो देखने में तो गलत हो, पर वास्तव में गलत न हो। जब लोग आपको गलत देखेंगे, तो आपकी निंदा करेंगे। जितने ज्यादा लोग आपकी निंदा करेंगे, आपका पाप उतना हल्का होता जायेगा। आपका अपराध निंदा करने वालों के हिस्से में आ जायेगा।"

यह सुनकर राजा पृथु ने महल में आकर काफी सोच-विचार किया और अगले दिन सुबह से शराब की बोतल लेकर चौराहे पर बैठ गये। सुबह-सुबह राजा को इस हाल में देखकर सब लोग आपस में राजा की निंदा करने लगे कि, "कैसा राजा है? कितना निंदनीय कृत्य कर रहा है, क्या यह शोभनीय है? आदि-आदि!" निंदा की परवाह किये बिना राजा पूरे दिन शराबियों की तरह अभिनय करते रहे।

इस पूरे कृत्य के पश्चात जब राजा पृथु पुनः साधु के पास पहुँचे, तो लीद के ढेर के स्थान पर एक मुट्ठी लीद देख आश्चर्य से बोले, "महाराज! यह कैसे हुआ? इतना बड़ा ढेर कहाँ गायब हो गया?"

साधु ने कहा, "यह आपकी अनुचित निंदा के कारण हुआ है राजन्! जिन-जिन लोगों ने आपकी अनुचित निंदा की है, आपका पाप उन सब में बराबर-बराबर बँट गया है।"

फिर राजा बोले, "महाराज, फिर ये मुट्ठी भर बचा क्यूँ? ये क्यूँ नहीं बँटा?"

तो फिर ऋषि बोले, "राजन, ये तुम्हारा कर्म है। जितना तुमने मेरे भिक्षा पात्र मे मेरे खाने के लिए दिए थे, उतना तो तुम्हें खाना ही पड़ेगा।"

कोई कितना भी उपाय, दान, पुण्य कर ले, उसका कर्म दोष कट तो जाएगा पर उसका मूल नष्ट नहीं होगा, उतना तो भरना ही पड़ेगा।

"जब हम किसी की बेवजह निंदा करते हैं, तो हमें उसके पाप का बोझ भी उठाना पड़ता है। हमें अपने किये गये कर्मों का फल तो भुगतना ही पड़ता है, चाहे हँसकर भुगते या रोकर। हम जैसा देंगे, वैसा ही लौटकर वापिस आयेगा।"

"दूसरे की निंदा करिये और अपने पाप का घड़ा भरिये।"

राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया को बधाई-संदेश

By grace of god and good KARMA you reached at this position. I wish you a great success for this post. I will be always by your side whenever you need me.

– Santosh Saraf
National President, AIMF

Congratulations & Best wishes. I have full confidence in you. I am sure Sammelan will achieve new heights of success and glory under your able leadership. You will have my full support. Best Wishes.

– Sitaram Sharma
Past National President, AIMF

अनेकानेक बधाइयाँ! ये आपके समर्पण का फल है। मैं सदैव आपके साथ हूँ। अनन्त शुभकामनाएँ!

–नंदलाल रुँगटा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के लिये बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ!

– संजय सेठ
लोकसभा सांसद

गोवर्द्धन गाड़ोदिया जी को बधाई! आशा है आपके नेतृत्व में संगठन का विस्तार होगा। समाजसेवा के रूप में सरकार के सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुँचाने की पहल करेंगे, जो अज्ञानता की वजह से खुद को जोड़ नहीं पाते।

– महेश पोद्दार
राज्यसभा सांसद

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ। समाज की नई पीढ़ी को प्रगतिशील बनाना समय की आवश्यकता है।

– न्यायमूर्ति रमेश मेरठिया
अवकाशप्राप्त न्यायाधीश

आदरणीय गाड़ोदिया जी, आशा है मारवाड़ी सम्मेलन समाज के सभी बन्धुओं को संगठित कर नई सोच के साथ और आगे बढ़ेगा। मेरी समस्त शुभकामनाएँ आपके साथ है!

– विनय सरावगी
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ!

– बिनोद तोदी
अध्यक्ष, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

सम्मेलन एवं समाज के सर्वांगीण विकास के प्रति आपके विचार हम सभी को संबल प्रदान करते हैं। आपके इस कार्यकाल को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने की ज़िम्मेदारी उतनी ही हमारी भी है और हम सभी मिलकर ऐसा सिद्ध कर दिखाएँगे। आपके नेक विचारों से मैं भली भाँति परिचित हूँ। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप अपने दायित्व को अपनी कर्मठता के द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दे पाने में सफल रहेंगे। हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ!

– मधुसूदन सीकरिया
अध्यक्ष, पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर श्री गोवर्धन प्रसाद जी गाड़ोदिया को हार्दिक बधाई एवं अग्रिम शुभकामनाएँ!

– लक्ष्मीपत भूतोडिया
अध्यक्ष, दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए आपके निर्विरोध चयन पर हार्दिक बधाई एवं शुभेच्छा। हम केवल आशान्वित ही नहीं वरन विश्वस्त भी हैं कि आपकी सामाजिक सोच, योजनाओं एवं आपके मार्गदर्शन से अग्रसर होते समाज को नई दिशा प्राप्त होगी एवं गौरवान्वित होने के अवसर प्राप्त होते रहेंगे। सामाजिक सफलता, संपन्नता, समरसता, सद्भाव, सहयोग सहभागिता, परस्पर प्रेमभाव, मातृभाव एवं अपनत्व में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। समाज में व्याप्त प्रतिकूल चलनों में कमी होगी।

– गोविंद अग्रवाल
प्रांतीय अध्यक्ष, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से महोदय को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ! आपका कार्यकाल अविस्मरणीय और उपलब्धियों से भरपूर हो। बिहार प्रान्त का संपूर्ण सहयोग हमेशा आपके साथ है।

– महेश जालान
निर्वाचित अध्यक्ष, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

आपकी कर्मठता और संकल्पशक्ति से अध्यक्षीय कार्यकाल की उपलब्धियों की अनुपम गाथा रची जायेगी। आपके मार्गदर्शन में रचनात्मक कार्य करते हुए हम समाज-विकास के सार्थक प्रयास करेंगे।

– रामपाल अट्टल
हैदरावाद

इन महानुभावों ने भी स्नेहपूर्वक शुभकामनाएँ प्रेषित की –

सर्वश्री डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, रामअवतार पोद्दार, प्रह्लादराय अगरवाला, रतन शाह, भानीराम सुरेका, जुगल किशोर सर्राफ, आत्माराम सोंथलिया, नंदलाल सिंघानिया, राज पुरोहित, विवेक गुप्त, अनिल जाजोदिया, पवन गोयनका, विजय किशोरपुरिया, श्रीगोपाल झुनझुनवाला, संजय हरलालका, दामोदर बिदावतका, कैलाशपति तोदी, गोपाल अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, गोकुल चंद बजाज, अशोक जालान, भागचन्द पोद्दार, निर्मल काबरा (जमशेदपुर), पुरुषोत्तम सिंघानिया (रायपुर) श्यामसुंदर अग्रवाल (कोचीन), चांदमल अग्रवाल (विशाखापतनम्), सुभाष अग्रवाल (बंगलोर), उमाशंकर अग्रवाल (वाराणसी), गोविंद प्रसाद डालमिया (देवघर), रमेश बंग (नागपुर), नारायण खेमका (वाराणसी), बसंत मित्तल (राँची), पवन शर्मा (राँची), रतनलाल बंका (राँची), ओमप्रकाश प्रणव (राँची), भगवती प्रसाद भुवालका (राँची), कमल केडिया (राँची), विनोद जैन (राँची), पवन पोद्दार (राँची), अजय मारू (राँची), मनोज बजाज (राँची) अनिल अग्रवाल (राँची), धर्मचंद जैन (राँची), सुरेश अग्रवाल (राँची) सहित अनेक महानुभावों द्वारा शुभकामनाएँ।

"गाँव री याद"

गाँव रा गुवाड़ छुटया,
लारे रहग्या खेत।
धोरां माथली झीणी झीणी,
उड़ती बाळू रेत।।
उड़ती बाळू रेत,
नीम री छाया छूटी।
फोफलिया रो साग,
रावड़ी रोटी रूठी।।

अषाढ़ा रे महीणे में जद,
खेत बावण जाता।
हळ चलाता तेजो गाता,
कांदा रोटी खाता।।
कांदा रोटी खाता,
भादवे में काढता 'नीनाण'।
खेत मायली झूंपड़ी में,
सोवंता खूंटी ताण।।

गरज गरज कर मेह बरसतो,
खूब नाचता मोर।
खेजड़ी रा खोखा खाता,
बोरटी रा बोर।।
बोरटी रा बोर,
खाँवता काकड़िया मतीरा।
'सिराधां' में जीमता,
देसी घी रा सीरा।।

आसोजां में बाजरी रा,
सिट्टा भी पक जाता।
काती रे महीने में सगळा,
मोठ उपाड़न जाता।।
मोठ उपाड़न जाता,
सागे तोड़ता गुवार।
सर्दी गर्मी सहकर के भी,
सुखी हो परिवार।।

गाँव के हर एक घर में,
गाय भैंस रो धीणो।
घी दूध भी घर को मिलतो,
वो हो असली जीणो।।
वो हो असली जीणो,
कदे नहीं पड़ता था बीमार।
गाँव में ही छोड़ आया,
जिन्दगी रो सार।।

सियाळे में धूँई तपता,
करता खूब हथाई।
आपस में मिलजुल के रहता,
सगळा भाई भाई।।
कहे बात "घनश्याम" गाँव री,
आज भी याद सतावे।
एक बार जो समय बीतग्यो,
अब पाछो नहीं आवे।।

संकलन : श्री नन्दलाल रुँगटा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

अपने बच्चों को पहले पाँच साल तक खूब प्यार करो,
छः साल से पंद्रह साल तक कठोर अनुशासन और संस्कार दो,
सोलह साल से उनके साथ मित्रता करो,
आपके संतान ही आपके सबसे अच्छे मित्र हैं।

-: चाणक्य :-

आभार-प्रसून!

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

शनिवार, ११ जुलाई २०२० को आयोजित अखिल भारतीय समिति की बैठक में सर्वसम्मति से अगले सत्र के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर श्रद्धा एवं स्नेहयुक्त भाव से सम्मेलन के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ! मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता के प्रति आप सबका प्यार एवं विश्वास मेरी आगे की यात्रा का पाथेय बनेगा।

हमारे यशस्वी वर्तमान अध्यक्ष श्री संतोष जी सराफ के सफल कार्यकाल में मैंने भी उनके साथ कई प्रांतों का दौरा किया। श्री संतोष जी एक सरल हृदय, सुलझे हुए सार्थक विचारों के धनी व्यक्ति हैं, मद और अहंकार से मुक्त। मैं उनके निर्णय करने की क्षमता से प्रभावित रहा। उनके कार्यकाल में सम्मेलन ने सफलता के कई नए आयाम स्थापित किये, उन्हें हार्दिक बधाई। उनके साथ काम करने का सुखद अनुभव मेरे जीवन पथ को आलोकित करता रहेगा, आभार।

सम्मेलन को वर्तमान ऊँचाईयों तक पहुँचाने में हमारे माननीय पूर्व अध्यक्षों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी आदरणीय श्री सीतारामजी शर्मा की नेतृत्व क्षमता, विचारों की स्पष्टता तथा प्रस्तुतीकरण सब अतुलनीय है, आप दूर दृष्टि रखते हैं एवं सम्मेलन के हित के लिए सदा सचेष्ट रहते हैं। वंदनीय श्री नन्दलालजी रुँगटा ने सदा मेरा उत्साहवर्धन किया है। झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के दायित्व निर्वहन में उनका मार्ग दर्शन हमेशा मेरा सम्बल रहा। माननीय डॉ. हरिप्रसादजी कानोड़िया से सीखने को मिला कि व्यवसायिक व्यस्तताओं के बावजूद भी कैसे आध्यात्म से तालमेल रखा जा सकता है। श्री रामअवतारजी पोद्दार सदा मेरे हितचिंतक रहे हैं, सबको साथ लेकर चलने की उनकी क्षमता अनुकरणीय है। श्री प्रह्लाद रायजी अगरवाला से सीखने को मिला कि समय अमूल्य है उसका सदुपयोग करो। मेरा सौभाग्य है कि उनके कार्यकाल में ही मैं झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का अध्यक्ष रहा एवं राँची में अखिल भारतीय समिति की बैठक भी सम्पन्न हुई। सभी माननीय पूर्व अध्यक्षों का स्नेह एवं आशीर्वाद मुझे बराबर मिलता रहा है। उन सब के प्रति विनयावनत हूँ, मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी का मार्गदर्शन एवं सहयोग इसी तरह मिलता रहेगा।

आदरणीय श्री जुगल किशोरजी सर्राफ एवं श्री आत्मारामजी सोंथलिया का स्नेह एवं सहयोग मुझे हमेशा मिलता रहा है, आभार।

सम्मेलन की गतिविधियों को सदस्यों एवं समाज तक पहुँचाने में हमारी मासिक पत्रिका "समाज विकास" का महत्वपूर्ण योगदान है। समाज विकास के संपादक श्री शिवकुमारजी लोहिया का सदैव सहयोग रहा, उनका आदेशात्मक अनुरोध पत्रिका के लिए कुछ लिखने हेतु सदैव प्रेरित करता रहा। अब लिखने का अभ्यास न होते हुए भी उनके आग्रह के कारण इस दिशा में प्रयत्नशील रहा, साधुवाद।

सम्मेलन के उपाध्यक्षगण सर्वश्री विवेकजी गुप्त, श्री पवन कुमारजी गोयनका, श्री अनिल कुमारजी जाजोदिया, श्री विजय कुमारजी किशोरपुरिया एवं श्री राज पुरोहितजी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। सम्मेलन के महामंत्री श्री श्रीगोपालजी झुनझुनवाला एवं श्री संजयजी हरलालका से मेरे पूर्व से ही व्यक्तिगत सम्बन्ध हैं एवं सदैव मेरे हितैषी रहे हैं। संयुक्त महामंत्री श्री दामोदरजी बिदावतका, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपतिजी तोदी, संगठन मंत्री श्री गोपालजी अग्रवाल एवं श्री बसंतजी मित्तल का भरपूर सहयोग हमेशा मिलता रहा है। सम्मेलन के अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग भी बराबर मिलता रहा है और भविष्य में भी मिलता रहेगा ऐसी मेरी अपेक्षा है, सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

मैं सभी प्रांतीय अध्यक्षों, महामंत्रियों एवं पदाधिकारियों का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मुझे इस पद के लिए उपयुक्त समझा एवं सर्वसम्मति से मेरा निर्वाचन किया, मैं इस उत्तरदायित्व के महत्व को समझता हूँ और आप सब की आस्था एवं विश्वास पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करूँगा। चुनाव पदाधिकारी श्री नन्दलालजी सिंघानिया का भी आभार व्यक्त करता हूँ।

मुझे स्मरण है १९७४ में जब सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन राँची में आयोजित हुआ था जिसमें स्वर्गीय भंवरमलजी सिंघी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद्भार ग्रहण किया था। उस राष्ट्रीय अधिवेशन के स्वागताध्यक्ष स्वर्गीय रायबहादुर हरखदचन्दजी जैन एवं स्वागत मंत्री स्वर्गीय हनुमान प्रसादजी सरावगी थे। उस समय अधिवेशन को लेकर यहाँ के समाज में उत्सव एवं पर्व जैसा माहौल था, मैं भी उस समय एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में सम्मेलन से जुड़ा था।

बिहार से अलग होने के बाद झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के गठन के समय से ही मैं सम्मेलन की सभी गतिविधियों में सक्रिय रहा। सभी माननीय पूर्व अध्यक्षों यथा स्वर्गीय बासुदेव प्रसादजी बुधिया, श्री गोविंद प्रसादजी डालमिया, श्री भागचंदजी पोद्दार, श्री विनयजी सरावगी, श्री राजकुमारजी केडिया से निकटता बनी रही एवं विभिन्न पदों पर रहते हुए तथा कई दायित्वों का निर्वहन करते हुए सम्मेलन की कार्यप्रणाली का अनुभव करता रहा, सभी को मेरा धन्यवाद। बीच के कालखंड में अग्रवाल सभा राँची और मारवाड़ी सहायक समिति सहित अनेक सामाजिक एवं व्यवसायिक संस्थाओं के विभिन्न पदों पर कार्य करने का अवसर मिला, सभी का सहयोग मिला, समाज में सम्पर्क बढ़ा

तथा बहुत कुछ सीखने को मिला, सभी का आभार। वर्तमान अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जी अग्रवाल एवं महामंत्री श्री पवन कुमारजी शर्मा पूरे मनोवेग एवं निष्ठा से सम्मेलन के कार्यों हेतु मुझे सहयोग करेंगे, ऐसी मेरी अपेक्षा है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन वृहत मारवाड़ी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था है। इसके अध्यक्ष का पद प्रतिष्ठा से ज्यादा उत्तरदायित्व का है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के नाते मुझे पूर्वोत्तर, बिहार, दिल्ली, गुजरात, तेलंगाना, केरल, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक सहित कई राज्यों का दौरा करने एवं समाजबंधुओं से मिलने का सौभाग्य मिला। समाज के विकास में सम्मेलन का गौरवशाली इतिहास रहा है। पिछले कुछ वर्षों से सम्मेलन की गतिविधियों में नए आयाम एवं विविधता का समावेश हुआ है। सम्मेलन क्रमशः राष्ट्रीय धरातल पर अपना अपेक्षित स्थान, पहचान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करने की ओर अग्रसर हो रहा है, यह हम सब के लिए हर्ष एवं गर्व का विषय है। समाज की उम्मीदों का सैलाब स्वाभाविक है - धरातल पर उतारने हेतु हमराही तो आप सबको बनना ही होगा। साथ मिलकर हमें श्री संतोषजी द्वारा रेखांकित उज्ज्वल रेखा को आगे बढ़ाकर सम्मेलन को नई ऊँचाइयाँ देनी है। समाज की समस्याओं के निराकरण हेतु निरंतर प्रयास करने के साथ-साथ समाज के चतुर्दिक विकास के लिए भी कार्य करना है। समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करना है। वैश्विक त्रासदी कोरोना से उत्पन्न परिस्थिति में समाज की सभी अनुषांगिक इकाईयों ने सेवा का सराहनीय कार्य किया है। आप सभी सपरिवार सुरक्षित रहें, यही मेरी मंगलकामना है। "आप सब का सहयोग ही मेरा सम्बल होगा।"

आप सभी के स्नेह प्रेम का, हूँ मैं दिल से आभारी
कोशिश पूरी होगी मन से, निभाऊँगा जिम्मेवारी

दूहा

– मैनपाल न्योल 'मयंक'

(१) मायड़ भासा राजस्थानी

मिसरी सी मीठी, उर तरवर री छांव।
इणनै मान नीं मिल्यां, मोटो हुवै उर घाव।।

धीर धरम री धिराणी, म्हारी मायड़ भोम।
मिळ-जुळ नै रेवै, इणमें सगळी कौम।।

इणमें उमादे रूणी, इणमें सतियां री कहाणी।
इणमें जोधां री गुणगाथा, इणमें संता री वाणी।।

उर आग बूझी नीं, नीं मिटी कण्ठ राग।
भड़ रातो रळ्यो जठै, खिल्यो कंवळ रो बाग।।

म्हारी मायड़ भासा नै, मानै सौ संसार।
इणरै मान बिना, आपणै जीवण नै धिक्कार।।

कण-कण में सुरापो, राती अठै री धरती।
सुभट नारी अठै, तलवारां न्हावण करती।।

अस्सी साल सूं बिलखै, मायड़ भासा म्हारी।
इणरी बोलियां लागै ज्यूं, कस्तूरी री क्यारी।।

सुभट पोखती थकी नीं, म्हारी मायड़ भोम।
ओ दुख सुणनै उर गळै, ज्यूं जळती गळै मोम।।

दो लाख स्यूं बेसी ग्रंथ, जबरो सबद भण्डार।
सै सूं मोटो सबदकोस, भणै सो संसार।।

इण भासा री खिमता, सौ सिंघां सूं पार।
अै बातलड़ियां सै सांची, मानै सौ संसार।।

(२) सांच

नित लड़णो नित मरणो, क्यूं जिणगी रो नास।
हिमताण हुवै जीवण, जे करल्यो इणनै पास।।

मेरी-मेरी करता जावै सौ संसार।
पण पाछै पछताओला, बगत चेतण सार।।

करम करणो धरम है, चाहे मजूरी चाहे खालड़ा।
बठै सो हिसाब हुवै, ज्यूं बाणियै रा पालड़ा।।

हंकार कीं'रो चळै नीं, गरीब चाहे दसमाथ।
बो बगत बारणै बड्यां, कोई न देवै साथ।।

जग जीवणै में हुवै, रूपली री राड़।
जे मिनख, मिनख सौ हुवै, बड़णो समझै बाड़।।

मिनख-मिनख सब अेक है, पण करम-धरम अनेक।
सद कारज करणो करम-धरम, जिणरो पंथ विवेक।।

धोखा-धड़ी सब त्यागनै, जीवणो सीखो सूल।
ओ तन माटी मिल ज्याणो, क्यूं जावै तूं भूल।।

सै पंथां रो अेक पंथ, बो ढूकै हरदवार।
चाहे धरा पर नीं हुवै, बठै समानता रो इधकार।।

('जागती जोत' से साभार)

एक साथ आकर कोरोना से जीतेंगे हम : संतोष सराफ

"कोरोना ने पूरे विश्व की सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था को हिला कर रख दिया है, एक वायरस ने हम सबकी जिंदगी पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है, लेकिन हम साथ मिलकर इसका सामना करेंगे और इससे जीतेंगे।" ये उद्‌गार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने वीडियो माध्यम से आयोजित सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं स्थायी समिति की संयुक्त बैठक में व्यक्त किए।

बैठक में सर्वप्रथम गलवान घाटी में शहीद भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गयी। श्री सराफ ने कहा कि पूरा मारवाड़ी समाज, अपनी संस्कृति एवं परम्पराओं पर चलते हुए, राष्ट्रहित के लिए हर तरह से समर्पित है। उन्होंने कहा कि कोरोना के सकारात्मक पहलू भी है – लोग स्वास्थ्य, पर्यावरण और धर्म के प्रति जागरूक हुए हैं, समारोहों के खर्च में नियंत्रण आया है। उन्होंने कहा कि इस आपत्ति–काल में आये इन सकारात्मक बदलावों को भविष्य में भी जारी रखना चाहिए। अर्थव्यवस्था की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आपदाएँ अवसर भी प्रदान करती हैं और व्यापारी वर्ग को इस महत्वपूर्ण पहलू का संज्ञान लेना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजचिंतक **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि कोरोना एक विश्वव्यापी संकट है और इसके विषय में अनिश्चितता की स्थिति है। सरकार द्वारा लॉकडाउन में कुछ छूट दिए जाने के बाद संक्रमितों की संख्या में बहुत बढोतरी हुई है, लोगों में डर कम हुआ है जो ठीक नहीं है। अभी भी एहतियात बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग और निम्न मध्यमवर्ग कठिनाइयों में है। बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हो रहे हैं। दुकानें खुल तो रही हैं परन्तु ग्राहक नदारद हैं। आबादी के एक बड़े हिस्से पर जीविका का संकट मंडरा रहा है, सरकार को इन विषयों पर संज्ञान लेना चाहिए एवं समुचित कदम उठाना चाहिए। इस संकटकाल में, सम्मेलन द्वारा किए गए कार्यकलापों को उन्होंने प्रशंसनीय बताया।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** एवं **श्री रामअवतार पोद्दार** ने कोरोना–विपत्ति का सामना करने में सम्मेलन के सेवाकार्यों की प्रशंसा की और कहा कि मारवाड़ियों की संस्कृति और परम्परा यही है कि आपदा के समय में सबका सहयोग करें।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने महामंत्री की रपट प्रस्तुत की और कहा कि भले ही देश में संकट की स्थिति है, सीमा पर तनाव है, मारवाड़ी समाज राष्ट्रहित में सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश 'विस्तारवाद नहीं विकासवाद' का हम स्वागत करते हैं और उनके मार्गदर्शन का अनुपालन करेंगे।

ओमप्रकाश अग्रवाल

नंदकिशोर अग्रवाल

पुरुषोत्तम सिंघानिया

चांदमल अग्रवाल

रमेश बंग

लक्ष्मीपत भूतोड़िया

सुभाष अग्रवाल

कैलाशपति तोदी

शिव कुमार लोहिया

भानीराम सुरेका

मधुसूदन सीकरिया

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी** ने सम्मेलन की आर्थिक स्थिति के विषय में जानकारी दी। उन्होंने सम्मेलन की वेबसाईट के आधुनिकीकरण की प्रगति का विवरण दिया और कहा कि शीघ्र ही इसके पूर्ण होने की उम्मीद है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि जो भी परिस्थिति आएगी, उसका सामना हम सब मिल-जुलकर करेंगे। हमें आपसी सहयोग बढ़ाकर इस संकट का सामना करना होगा। पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री **श्री भानीराम सुरेका** ने लोगों को सतर्क-जागरूक करने पर बल देते हुए कहा कि मौजदा समय में हमारे पास सजग रहते हुए खुद की एवं अपने निकटस्थों की देखभाल करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इस आपदा का सामना आपसी सहयोग से ही किया जा सकता है।

पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने प्रदेश में हो रहे सेवाकार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि जहाँ प्रशासन नहीं पहुँच सकता, वहाँ सम्मेलन द्वारा खाद्य-पदार्थ, मास्क आदि जरूरी सामान लोगों को मुहैया करवाया जा रहा है। प्रदेश में फँसे हुए प्रवासियों के लिए घर-वापसी की व्यवस्था भी की गयी है। बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिनोद तोदी** ने कोरोनाकाल में सम्मेलन द्वारा किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन विभिन्न स्तर पर राहत कार्यों में प्रयासरत है एवं अधिकाधिक लोगों तक सहायता पहुँचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज के लोगों में सेवा की भावना है जिससे सम्मेलन को सेवाकार्य में आर्थिक समस्या नहीं आयेगी।

ओडिशा सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोविंद अग्रवाल** ने बताया कि जिला एवं स्थानीय शाखाओं के माध्यम से समाज के निम्न एवं मध्यम वर्ग तक सहायता पहुँचायी जा रही है। पुरी एवं अन्य धार्मिक स्थानों पर धर्मशालाओं का पुनरुद्धार एवं स्थापना का कार्य भी चल रहा हैं। साथ ही, स्थानीय शाखाओं को कार्यालय स्थापना के लिए भी समुचित सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

पूर्वोत्तर सम्मेलन के महामंत्री **श्री राज कुमार तिवाड़ी** ने बताया कि कोरोनाकाल में सम्मेलन द्वारा किये जा रहे राहत एवं जनकल्याण कार्यों से प्रभावित होकर प्रदेश की राज्य सरकार सम्मेलन को विशेष तरजीह दे रही है।

बैठक में प्रादेशिक अध्यक्षों **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** (झारखंड), **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** (पश्चिम बंग), **श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया** (छत्तीसगढ़), **श्री चांदमल अग्रवाल** (आन्ध्र प्रदेश), **श्री रमेश बंग** (तेलंगाना), **श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया** (दिल्ली), **डॉ. सुभाष अग्रवाल** (कर्नाटक) एवं अन्य प्रादेशिक पदाधिकारियों ने अपने-अपने राज्यों में कोरोनाकाल में किए जा रहे सेवाकार्यों के विषय में जानकारी दी। बैठक में करोना–काल में सामाजिक संगठनों के कर्त्तव्य एवं उनके अनुपालन के विषय पर विस्तृत चर्चा हुई।

धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री अनिल जाजोदिया** ने कहा कि समाज के उन वर्गों को भी सहयोग देना चाहिए जो सहयोग माँगते नहीं हैं। मारवाड़ी समाज के लोग स्वाभिमानी होते हैं। संकट में होते हुए भी वे मदद लेने में संकोच करते हैं। हमें अपने आसपास ऐसे लोगों को पहचानना होगा। व्यापार उद्योग में आ रही परेशानियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजदा समय में व्यापारियों को अपनी साख बचाते हुए नये अवसर तलाशने होंगे। परिस्थितियाँ कैसी भी हो, हमें इस आपदा को अवसर में बदलना है और आगे बढ़ना है। **बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन गाड़ोदिया, श्री पवन गोयनका, संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका, श्री दामोदर बिदावतका, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल सहित पूरे देश से सम्मेलन के पदाधिकारी–सदस्यगण एवं कार्यकर्ता शामिल थे।**

बिनोद तोदी

गोविंद अग्रवाल

राजकुमार तिवाड़ी

अनिल जाजोदिया

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस, (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - 700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना-कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

श्रद्धांजलि

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी के पिताश्री **द्वारका प्रसाद तोदी** का निधन गत २४ जुलाई २०२० को हृदयगति रुक जाने के कारण हो गया। द्वारका बाबू एक समर्पित समाजसेवी थे एवं जनकल्याण के कार्यों में सदैव तत्पर रहते थे। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संगठन को मजबूती प्रदान करने में उनकी महती भूमिका रही है। उन्होंने सम्मेलन के अति महत्वपूर्ण पदों को भी सुशोभित किया। वे भारत विकास परिषद् एवं आध्यात्मिक सत्संग समिति के भी अध्यक्ष थे। **सम्मेलन परिवार की ओर से दिवंगत पुण्यात्मा को विनम्र-कृतज्ञ पुष्पांजलि!**

तमिलनाडु प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री अशोक केडिया के पिताश्री **विश्वनाथ केडिया** का आकस्मिक निधन गत २७ जुलाई २०२० को चेन्नई में हो गया। स्वर्गीय विश्वनाथ जी केडिया ने श्री अग्रवाल सभा सहित कई सामाजिक संस्थानों में गुरुमहत्व के पदों का निर्वहन किया था। **सम्मेलन परिवार दिवंगत पुण्यात्मा को भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित करता है!**

समाचार सार

अग्रवाल सभा, राँची ने किया श्री गोवर्धन गाड़ोदिया का सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतु श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के निर्विरोध निर्वाचन पर गत १२ जुलाई २०२० को राँची स्थित महाराजा अग्रसेन भवन परिसर में अग्रवाल सभा, राँची द्वारा श्री गाड़ोदिया को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष श्री पवन पोद्दार, मंत्री श्री कौशल राजगढ़िया, सर्वश्री रतन मोर, मंजीत जाजोदिया, रामाशंकर बगड़िया, भागचन्द पोद्दार, न्यायमूर्ति रमेश मेरठिया, राजकुमार केडिया, चंडी प्रसाद डालमिया, सुरेश चन्द अग्रवाल, राजेन्द्र केडिया, ललित पोद्दार, विश्वनाथ जाजोदिया, डॉ. ओम प्रकाश प्रणव, अशोक नारसरिया, विनोद जैन, श्यामसुन्दर बजाज, प्रमोद कुमार अग्रवाल, सुनील पोद्दार, राजेश भरतीया, अनिल अग्रवाल सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बधाई

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद **श्री विवेक गुप्त** को तृणमूल कांग्रेस की राज्य समन्वयक समिति के महासचिव पद के लिए मनोनीत किया गया। श्री गुप्त सन्मार्ग समूह के निदेशक एवं मर्चेण्ट चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष भी हैं।

हार्दिक बधाइयाँ प्रेषित करते हुए सम्मेलन परिवार श्री विवेक गुप्त की उत्तरोत्तर उन्नति एवं सुदीर्घ स्वस्थ, प्रसन्न, सम्पन्न जीवन की मंगलकामना करता है!

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री रमेश कुमार बंग** को तेलंगाना प्रदेश नगरीय सहकारी बैंक एवं क्रेडिट सोसायटी फेडरेशन का पुनः अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। गत २४ जुलाई २०२० को आयोजित प्रबंध समिति का चुनाव चिकड़पल्ली, तेलंगाना स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुआ जिसमें सर्वसम्मति से श्री बंग को दूसरी बार अध्यक्ष चुना गया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन हार्दिक बधाइयों के साथ श्री रमेश कुमार बंग के सुदीर्घ स्वस्थ, सम्पन्न एवं सक्रिय जीवन की मंगलकामना करता है!

Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा तनावमुक्त जीवन पर वेबिनार की श्रृंखला का आयोजन

श्री प्रमोद शाह

सुश्री ममता बियानी

श्री विनोद अग्रवाल

श्री नन्द किशोर अग्रवाल

कोरोना जैसी भयंकर महामारी की विभीषिका से समाज का हर इंसान अकल्पनीय त्रासदी में जी रहा है। व्यापार, उद्योग, शिक्षा, सामाजिक गतिविधियाँ सब ठप्प पड़ी हुई हैं। भविष्य में क्या होने वाला है – इसकी कल्पना ने हर उम्र के व्यक्ति को तनावपूर्ण पारिवारिक जीवन जीने को मजबूर कर दिया। इन्हीं सवालों का जवाब ढूँढने एवं मारवाड़ी समाज को एक नई दिशा देने के उद्देश्य से पश्चिम बंग मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नन्द किशोर अग्रवाल** की अध्यक्षता में गत जून-जुलाई में ७ वेबिनार का आयोजन आधुनिक तकनीक के माध्यम से किया गया जिसमें दार्जिलिंग, कार्सियांग, अलीपुरद्वार, मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी, रायगंज, सिलीगुड़ी, बर्दवान, दुर्गापुर, आसनसोल, रानीगंज, बांकुड़ा, पुरुलिया आदि शाखाओं ने हिस्सा लिया। '**तनाव से मुक्ति जिन्दगी से दोस्ती**' विषय पर आयोजित इन ७ गोष्ठियों के प्रमुख वक्ता थे – श्री प्रमोद शाह (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, मारवाड़ी युवा मंच), सुश्री ममता बियानी (राष्ट्रीय अध्यक्षा, २०१६, द इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनीज सेक्रेटरी), स्वामी आत्मानंद जी (अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन) और चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री विनोद अग्रवाल (संस्थापक, विनोद पॉजिटिव फाउंडेशन)।

श्री प्रमोद शाह ने कहा कि मानव सभ्यता के इतिहास में पहले भी कई महामारियों पर इन्सानों ने विजय हासिल की है तथा इस समय भी आपसी सहयोग एवं धैर्य के साथ कोरोना से सामना करना होगा। विपत्ति के समय नई सम्भावनाओं पर ध्यान देकर नूतन अवसर बनाने होंगे। मजबूत मनोबल के द्वारा ही सभी को कोरोना के साथ जीना सीखना होगा। **सुश्री ममता बियानी** ने शिक्षा में तनाव एवं मारवाड़ी समाज में तलाक के बढ़ते मामलों को लेकर उत्पन्न तनावों पर विवेकपूर्ण चर्चा की। सभी को अपना अहम् त्यागकर परिवार में खुशनुमा माहौल बनाना होगा। युवा वर्ग को मर्यादा का पालन कर कैरियर, परिवार और अपने जीवन में सही संतुलन का मार्ग तलाशना होगा। आर्ट ऑफ लिविंग से जुड़े **स्वामी आत्मानंद जी** ने तनाव कम करने के लिए श्वांसों के संतुलन पर एक प्रयोग सभी प्रतिभागियों को करवाया। उन्होंने कहा सकारात्मक विचारों का समावेश तथा सरल जीवन तनावमुक्त जीवन का मार्ग है। संतोषधन ही श्रेष्ठ सम्पत्ति है। प्रकृति से प्रेम भी तनाव को कम करता है। प्रेरक वक्ता **श्री विनोद अग्रवाल** ने कोरोना से उत्पन्न वर्त्तमान परिस्थिति को कविता में इस प्रकार प्रस्तुत किया –

कोरोना हमारा बहुत ही कठिन इम्तिहान ले रही है,
बड़ी बेरहमी से लाखों इंसानों की जान ले रही है।
चले थे हम हाथों में आसमान को कैद करने को,
जमीं ही, हमारे पैरों के नीचे से ये नादाँ ले रही है।

पिछले १०० दिनों के लॉकडाउन से उत्पन्न तनाव के कारण सैकड़ों युवाओं, व्यापारियों, नामी सितारों ने आत्महत्या की है। अपनी परेशानी के अलावा दूसरे का सुख भी तनाव का सबब होता है। जो प्राप्त है वो पर्याप्त है – इस बात को सही ढंग से समझना भी तनाव कम कर देता है। जो हमेशा रहे अगाड़ी, वही सच्चा मारवाड़ी। दूसरों की मदद एवं सेवा करना अपना तनाव कम करने का सरल परन्तु प्रभावी मार्ग है। विपत्ति में भी उन्नति के अवसर मिलते हैं, परिवर्तन को स्वीकार करना ही बुद्धिमानी होती है। यह कठिन वक्त भी गुजर जायेगा, यह सकारात्मक सोच भी तनावमुक्त करने में सहायक है।

सम्मेलन के पदाधिकारियों **सर्वश्री शिव कुमार गुजरवासिया, गोपी धुवालिया, विश्वनाथ खरकिया, कमल सरावगी, सुनील डोकानिया, रूपक केडिया** ने इन वेबिनार को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। उत्तर बंगाल के समन्वयक **श्री पवन जालान** तथा सिलीगुड़ी के **श्री विनोद कुमार अग्रवाल** की भी महत्वपूर्ण सहभागिता रही। श्री नन्द किशोर अग्रवाल ने सभी शाखाओं को वेबिनार के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने तथा आपसी सहयोग करने का आह्वान किया। शाखाओं के समक्ष आ रही समस्याओं पर भी चर्चा हुई जिनके उचित समाधान का आश्वासन अध्यक्ष द्वारा दिया गया। उसके अलावा, सम्मेलन की आगामी योजनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। सभी सातों वेबिनार के कुशल संचालन एवं तकनीकी नियंत्रण के लिए **श्री अजय गुप्ता** के प्रयास की सभी ने सराहना की। सर्वश्री बृजमोहन गर्ग, हिमांशु गर्ग, राजेन्द्र अग्रवाल, रमेश मित्तल, विष्णु केडिया, अरुण कन्दोई, रामानंद रुस्तगी, घनश्याम अग्रवाल, संदीप भीमराजका, राजीव अग्रवाल, अशोक कजरिया, नरेश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, अनूप सराफ, संयज बाजोरिया, राम लाल टांटिया, विजय चौधरी, भगवती बाजोरिया, नरेन्द्र शर्मा, अशोक पुरोहित, आनंद पारीक, मनोज अग्रवाल, नारायण प्रसाद अग्रवाला, राजेन्द्र लुहारीवाल, बिनोद कुमार अग्रवाल सहित पूरे राज्य से पदाधिकारियों-सदस्यों की उपस्थिति रही।

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

भवांस्तु पुंसः परमस्य मायया
दुरन्तयास्पृष्टमतिः समस्तदृक्।
तया हतात्मस्वनुकर्मचेतः स्व
अनुग्रहं कर्तुमिहार्हसि प्रभो।।

हे भगवान्, आप परमात्मा की माया के मोहक प्रभाव में कभी मोहित नहीं होते। अतः आप सर्वज्ञ हैं, और जो उसी माया के द्वारा मोहित एवं सकाम कर्मों द्वारा अत्यधिक आकृष्ट हैं, उन पर कृपा और अनुकम्पा करें।

वाञ्छाकल्पतरूभ्यश्च कृपासिन्धुभ्य एव च।
पतितानां पावनेभ्यो वैष्णवेभ्यो नमो नमः।।

मैं भगवान् के समस्त वैष्णव भक्तों को सादर नमस्कार करता हूँ। वे कल्पतरू के समान हैं, जो सबकी इच्छाओं को पूर्ण करने वाले हैं। वे पतितबद्ध आत्माओं के लिए दया से ओत-प्रोत रहते हैं।

रूद्र उवाच

तव वरद वराङ्घावाशिषेहाखिलार्थे
ह्यपि मुनिभिरसक्तैरादरेणार्हणीये।
यदि रचितधियं माविद्यलोकोऽपविद्धं
जपति न गणये तत्त्वत्परानुग्रहेण।।

हे भगवान्, मेरा मन तथा मेरी चेतना निरन्तर आपके अमूल्य चरण-कमलों पर एकाग्रित है, जो सभी आशीर्वादों तथा सभी इच्छाओं की पूर्ति के स्रोत होने के कारण समस्त मुक्त महामुनियों द्वारा पूजनीय हैं, क्योंकि आपके चरणकमल ही पूजा के योग्य हैं। आपके चरणकमलों में मन को एकाग्रित कर मैं उन व्यक्तियों से विचलित नहीं होता जो यह कहकर मेरी निन्दा करते हैं कि मेरे कर्म शुद्ध नहीं हैं। मैं उनके आरोपों की परवाह नहीं करता और मैं दयावश उन्हें क्षमा कर देता हूँ, ठीक उसी तरह जैसे आप सभी जीवों के प्रति दयाभाव प्रदर्शित करते हैं।

भृगुरूवाच

यन्मायया गहनयापह्यतात्मबोधा
ब्रह्मादयस्तनुभृतस्तमसि स्वपन्तः।
नात्मन्श्रितं तव विदन्त्यधुनापि तत्त्वं
सोऽयं प्रसीदतु भवान्प्रणतात्मबन्धुः।।

हे भगवान्, सर्वोच्च ब्रह्मा से लेकर सामान्य चींटी तक सभी जीव आपकी माया के दुर्लंघ्य जादू के वशीभूत हैं और इस तरह वे अपनी स्वाभाविक स्थिति से अनभिज्ञ हैं। देहात्मबुद्धि में विश्वास करने के कारण समस्त जीव मोहान्धकार में पड़े हुए हैं। वे वास्तव में यह समझने में असमर्थ हैं कि प्रत्येक जीवात्मा में आप परमात्मा के रूप में किस प्रकार स्थित हैं, निश्चत रूप से वे आपके परम पद को समझ नहीं सकते हैं। किन्तु आप सभी शरणागत जीवों के मित्र एवं रक्षक हैं। अतः आप हम पर कृपा करें तथा हमारे सभी अपराधों को क्षमा कर दें।

ब्रह्मोवाच

नैतत्स्वरूपं भवतोऽसौ पदार्थ–
भेदग्रहैः पुरुषो यावदीक्षेत्।
ज्ञानस्य चार्थस्य गुणस्य चाश्रयो
मायामयाद्व्यतिरिक्तो मतस्त्वम्।।

हे भगवान्, कोई भी व्यक्ति आपके व्यक्तित्व एवं अनन्त रूप को नहीं समझ सकता जो आपको ज्ञान प्राप्त करने की विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से जानने का प्रयास करे। आपकी स्थिति भौतिक सृष्टि की तुलना में सर्वदा दिव्य है, जबकि आपको समझने के प्रयास, लक्ष्य तथा साधन सभी भौतिक और काल्पनिक हैं।

इन्द्र उवाच

इदमप्यच्युत विश्वभावनं
वपुरानन्दकरं मनोदृशाम्।
सुरविद्विट्क्षपणैरूदायुधै–
र्भुजदंडैरूपपन्नमष्टभिः।।

हे भगवान्, आठ भुजाओं से हथियार उठाये आपका यह अष्ठभुज दिव्य रूप सम्पूर्ण विश्व के कल्याण के लिए प्रकट होता है और यह मन तथा नेत्रों को आनन्दित करने वाला है। इस रूप में आप असुरों को दण्डित करने के लिए सर्वदा तत्पर रहते हैं, जो आपके भक्तगणों से ईर्ष्या करते हैं।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री रमेश कुमार जैन मेन रोड, मदनपुर, रामपुर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री रामोतार अग्रवाल** मदनपुर, रामपुर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री रूपेश कुमार जैन** मे. ओम साईं ट्रेडर्स मेन रोड, मदनपुर, रामपुर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** शेरगढ़, वाया-नरला, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री संजीव कुमार जिंदल** मे. रानीसती ट्रेडर्स मदनपुर, रामपुर, कालाहांडी, ओडिशा
श्री सरोज कुमार अग्रवाल मेन रोड, मदनपुर, रामपुर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री शंकर प्रसाद अग्रवाल** मारवाड़ीपाड़ा, मदनपुर, रामपुर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुभाष चंद्र मित्तल** मदनपुर, रामपुर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुरेश कुमार केडिया** मे. बालाजी ऑटोमोबाइल्स मेन रोड, मदनपुर, रामपुर, कालाहांडी, ओडिशा	**श्रीमती बिमला अग्रवाल** द्वारका नगर थर्ड लेन नबरंगपुर, ओडिशा
श्रीमती बॉबी जैन चमुरियागुड़ा, नबरंगपुर ओडिशा	**श्रीमती स्नेहलता अग्रवाल** मेन रोड, मैदलपुर, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्रीमती स्वेता अग्रवाल** नजदीक मनीषा लॉज नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री अमरदीप जैन** पटेल मार्ग, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री आनंद कुमार जैन** पठानसाही, नबरंगपुर ओडिशा
श्री अनिल कुमार अग्रवाल गौड़ा स्ट्रीट, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री अनिल कुमार जैन** मे. अरिहंत गारमेण्ट मेन रोड, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री अंकित अग्रवाल** मे. आर.के. कॉलनि, फर्स्ट लेन, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री आशीष अग्रवाल** लहरा स्ट्रीट, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री अशोक कुमार गुप्ता** मे. गुप्ता गारमेण्ट्स नबरंगपुर, ओडिशा
श्री अतुल अग्रवाल नजदीक टाउन हॉल मेन रोड, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री बबलू कुमार जैन** मे. महालक्ष्मी ट्रेडर्स नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री बजरंगलाल अग्रवाल** मे. बालगोपाल एग्रो नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री बलबीर सिंह चौधरी** वुमन्स कॉलेज रोड नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री बालकिशन अग्रवाल** केउटा स्ट्रीट, नबरंगपुर ओडिशा
श्री बिजय कुमार जैन मे. श्री साईं ट्रेडर्स तुरुजियागुड़ा, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री बिकास अग्रवाल** आर.के. कॉलनि, फर्स्ट लेन नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री बिकास चंद्र अग्रवाल** मे. नबरंग ऑटोमोबाइल्स मेन रोड, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री बिकास कुमार गोयल** नजदीक एल.आई.सी. बिल्डिंग, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री बिमल कुमार जैन** पठानसाही, नबरंगपुर ओडिशा
श्री बिनोद कुमार जैन मो. ९३४८५२३५७६ गौड़ा स्ट्रीट, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री बिनोद कुमार जैन** गौड़ा स्ट्रीट, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री बिष्णु प्रसाद अग्रवाल** नजदीक बाजार ब्राँच स्टेट बैंक, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री बिष्णु प्रसाद गुप्ता** आई.डी.बी.आई. बैंक, मेन रोड, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री चक्रेश कुमार जैन** मे. पारसनाथ वस्त्र नबरंगपुर, ओडिशा
श्री दीपक जैन मेन रोड, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री दीपक कुमार अग्रवाल** गब्रियालगुड़ा, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री दीपक कुमार गुप्ता** एच.डी.एफ.सी. बैंक के नीचे, मेडिकल चौक, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री दिलीप कुमार जैन** जैन टेम्पल स्ट्रीट, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री दीनदयाल जैन** मे. किलर शोरूम मेन रोड, नबरंगपुर ओडिशा
श्री दिनेश चौरसिया मे. दिनेश शू कलेक्शन मेन रोड, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री दिनेश कुमार जैन** गाँधी चौक, मेन रोड, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री गणेश कुमार अग्रवाल** मेन रोड, मैदलपुर नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री घनश्याम दास गुप्ता** मनीष होटेल के सामने नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री हरेन्द्र कुमार जैन** पठानसाही, नबरंगपुर ओडिशा
श्री हरीष अग्रवाल मे. बाबा रामदास राइस मिल, अग्निपुर, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री हरीष कुमार जैन** मे. हरीष एजेंसीज, पठान स्ट्रीट, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री हेमंत कुमार चौरसिया** नजदीक राम मंदिर, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल** द्वारका नगर थर्ड लेन, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री कैलाश चंद्र जैन** नबरंगपुर ओडिशा
श्री कन्हैयालाल गुप्ता मे. गुप्ता ट्रेडर्स, मीरा ऑटो चौक, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री ललित कुमार जैन** अंकित एंटरप्राइजेज, मेन रोड, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री लक्ष्मी नारायण जैन** मनीषा लॉज के सामने मंगलम टिम्बर रोड, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री मनिंदर जैन** पटेल मार्ग, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री मनीष जैन** मेन रोड, नबरंगपुर ओडिशा
श्री मनीष कुमार अग्रवाल द्वारका नगर थर्ड लेन नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मेन रोड, मैदलपुर नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार जैन** गौड़ा स्ट्रीट, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री मंटू जैन** मे. वी.आइ.पी. मार्बल्स न्यू बस स्टैण्ड, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री मोहन प्रकाश चौरसिया** शंखरी स्ट्रीट, नबरंगपुर ओडिशा
श्री मुकेश गुप्ता नजदीक सत्यनारायण मंदिर मेन रोड, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री नारायण प्रसाद चौरसिया** नजदीक राम मंदिर नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री नरेंन्द्र अग्रवाल** नजदीक न्यू बस स्टैण्ड लोहारा स्ट्रीट, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री नरेश कुमार जैन** शंखरी स्ट्रीट, नबरंगपुर ओडिशा	**श्री पवन अग्रवाल** नजदीक टाउन हॉल, मेन रोड, नबरंगपुर, ओडिशा

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

		आजीवन सदस्य		
श्री पीयूष कुमार जैन मे. नलिश फैशन हाउस, पटेल मार्ग, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री प्रदीप कुमार जैन** पटेल मार्ग, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री राहुल अग्रवाल** गौड़ा स्ट्रीट, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री राज कुमार गुप्ता** मेन रोड, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार जैन** मे. जैन गार्मेंट्स, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री राजेश कुमार जैन शंखरी स्ट्रीट, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री राकेश कुमार जैन** मे. टेली स्ट्रीट जंक्शन, मेन रोड, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री रमेश चंद्र जैन** मे. नलिश फैशन हाउस पटेल मार्ग, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री रूप बिहारी अग्रवाल** न्यू बस स्टैण्ड, मेन रोड नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री रूपेश जैन** शंखरी स्ट्रीट, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री संजय जैन पटेल मार्ग, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री सतीश कुमार गोयल** नजदीक एल.आई.सी. ऑफिस, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री शंकर लाल अग्रवाल** शालू निवास, जमाल कॉलनि, थर्ड लेन, द्वारका नगर, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री सुभाष चंद्र अग्रवाल** मे. चंदन ट्रेडर्स, मेन रोड, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री सुभाष चंद्र जैन** न्यू बस स्टैण्ड, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री शुभकरन जैन मे. अंकित एंटरप्राइजेज, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री शुभम अग्रवाल** मेन रोड, मैदलपुर, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री सुभाष चंद्र जैन** मे. किलर शोरूम, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री सुभाष जैन** गड़ियासाही, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार चौरसिया** शंखरी स्ट्रीट, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री सूरज कुमार जैन पठानसाही, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री सुशील कुमार जैन** मे. अमरनाथ टेक्सटाइल्स, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री विजय कुमार जैन** मनीषा होटेल के पीछे नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री विजय प्रकाश लुनिया** नजदीक एच.डी.एफ. सी. बैंक, पटेल मार्ग, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री विक्रम जैन** मे. विक्रम डिस्ट्रीब्यूटर्स नबरंगपुर, ओडिशा
श्री अनिल कुमार अग्रवाल मे. महावीर कलेक्शन, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री अशोक कुमार अग्रवाल** मे. नरसिंह ट्रेडर्स, शीतला मंदिर रोड, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री बिजेन्द्र कुमार जैन** मे. जैन फैन्सी स्टोर, मेन रोड, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** मे. बजरंगबली सप्लायर्स, सिरतोल, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री बिष्णु कुमार गुप्ता** मे. गुप्ता एजेंसी, मेन रोड, नुआपाड़ा, ओडिशा
श्री दुर्गेश कुमार तयाल मे. जय माँ फार्मा एण्ड सर्जिकल, लक्ष्मी नगर, सिरतोल, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्रीमती कांति देवी जैन** मे. पूजा फर्नीचर वर्ल्ड, सिरतोल, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्रीमती मधु तयाल** मे. जय माँ फार्मा एण्ड सर्जिकल, लक्ष्मी नगर, सिरतोल, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. महावीर कलेक्शन, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. अग्रवाल फुटविअर, मेन रोड, नुआपाड़ा, ओडिशा
श्री नवीन कुमार जैन मे. एन.के. मेडिकल स्टोर, मेन रोड, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री प्रवीण कुमार जैन** मे. जैन क्लॉथ स्टोर, मेन रोड, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री प्रकाश खेतान** ठाकुरपाड़ा, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री राजेन्द्र कुमार जैन** मे. जैन मेडिकल स्टोर नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार जैन** मे. तयाल स्टोर, मेन रोड, नुआपाड़ा, ओडिशा
श्री संदीप कुमार जैन नजदीक मातागुड़ी मंदिर राजपुर, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्रीमती राशि देवी अग्रवाल** मे. बजरंगबली सप्लायर्स, सिरतोल, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री शंकर लाल जैन** मे. पूजा फर्नीचर वर्ल्ड नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री सुरेन्द्र अग्रवाल** मे. बजरंगबली सप्लायर्स, सिरतोल, नुआपाड़ा, ओडिशा	**श्री विकास कुमार अग्रवाल** मे. महावीर क्लॉथ स्टोर, मेन रोड, नुआपाड़ा, ओडिशा
श्रीमती अनिता अग्रवाल कॉलेज रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्रीमती कमला देवी अग्रवाल** बस्ती रोड, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्रीमती किरण अग्रवाल** मे. आशा ज्योति, पदमपुर, पोस्ट-राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्रीमती ममता अग्रवाल** कॉलेज रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्रीमती पुष्पा अग्रवाल** कॉलेज रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा
श्रीमती राजकुमारी अग्रवाल बड़ापाड़ा, पदमपुर, पोस्ट - राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्रीमती संतोष अग्रवाल** कॉलेज रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्रीमती सुमन अग्रवाल** कॉलेज रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री अजय कुमार शर्मा** मे. अनुप्रिया आयरन स्टोर पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री अमरदीप अग्रवाल** शास्त्री चौक, पदमपुर, पोस्ट-राजबोरासम्बर बरगढ़, ओडिशा
श्री अमित कुमार गर्ग गईसिलत रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री अनिल अग्रवाल** मे. राजबोरासम्बर मेडिकल हॉल, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री आशीष कुमार बंसल** मे. बंसल ट्रेडर्स, बड़ापाड़ा, पदमपुर, पोस्ट-राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री अतुल कुमार अग्रवाल** शास्त्री चौक, बड़ापाड़ा, पदमपुर, पोस्ट-राजबोरा-सम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री बजरंगलाल अग्रवाल** गईसिलत रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा
श्री भरत कुमार अग्रवाल नजदीक एम.आई. ऑफिस शक्ति विहार, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री दीनदयाल अग्रवाल** मे. भारती मेडिकल हॉल पदमपुर, पोस्ट-राजबोरा-सम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री दीनदयाल अग्रवाल** बड़ापाड़ा, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री गजानंद अग्रवाल** शास्त्री चौक, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री गिरधारी अग्रवाल मे. गोयल ट्रेडर्स, बोसना रोड, पदमपुर, पोस्ट-राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री गोविंद प्रसाद अग्रवाल** मे. कलिंग इलेक्ट्रिकल्स पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल** थाना चौक, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री हरीष कुमार अग्रवाल** कॉलेज रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री हरिशंकर अग्रवाल** मे. पदमपुर साईकिल स्टोर, पदमपुर, पोस्ट-राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा
श्री हरिशंकर अग्रवाल मे. फैन्सी कॉटेज, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री जय कुमार पलसानिया** मे. ओडिशा इंजीनीयरिंग वर्क्स, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री कैलाश चंद्र अग्रवाल** मे. आशा ज्योति क्लॉथ स्टोर, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री कालीचरण शर्मा** पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री काशीराम अग्रवाल** नजदीक अहिंसा क्लब बड़ापाड़ा, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा
श्री केदारनाथ अग्रवाल कॉलेज राड, पदमपुर बरगढ़, ओडिशा	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** कॉलेज रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाल** भेनुरिया चौक, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री नंद किशोर अग्रवाल** कॉलेज रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** मे. मुकेश किराना स्टोर बड़ापाड़ा, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा
श्री नरसिंह अग्रवाल मे. तेजराज मोटर, नजदीक डोरा पेट्रोल पंप, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री परमेश्वर अग्रवाल** मेन रोड, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** शास्त्री चौक, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री प्रभात कुमार अग्रवाल** बस्ती रोड, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल** शास्त्री चौक, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा
श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल बीजू कॉम्प्लेक्स, पदमपुर, पोस्ट-राजबोरासम्बर बरगढ़, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मे. राजेश किराना, पुरानी बस्ती, पदमपुर, पोस्ट - राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार बंसल** मे. राहुल स्टील, शास्त्री चौक, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री रामचंद्र अग्रवाल** नजदीक शास्त्री चौक, बड़ापाड़ा, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री संतोष अग्रवाल** मेन रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा
श्री सोहन अग्रवाल बड़ापाड़ा, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** कॉलेज रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** मे. जगदम्बा क्लॉथ स्टोर पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** मे. मनोरमा बाजार, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** मे. तनसुख राय रामप्रसाद बस्ती रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल मे. किराना निवास नया सड़क, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** बस्ती रोड, पदमपुर, पोस्ट -राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** मे. कलिंगा औषधालय नेहरूगली चौक, पदमपुर, पोस्ट-राजबोरासम्बर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री उमाशंकर अग्रवाल** उमाशंकर स्टोर, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** गईसिलत रोड, पदमपुर, बरगढ़, ओडिशा
श्री आनंद अग्रवाल मे. आनंद मोटर्स, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री अनिल कमार अग्रवाल** मे. लाला किराना स्टोर, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री अशोक जिंदल** मे. जिंदल क्लॉथ स्टोर पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री बजरंग अग्रवाल** मे. गर्ग किराना स्टोर पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री गणेश प्रसाद अग्रवाल** मे. मित्तल ऑटोमोबाइल्स पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा
श्री गोवर्धन अग्रवाल मे. नरसिंहनाथ ऑटोकेअर, सालेपल्ली, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री हरिराम अग्रवाल** मे. बालाजी सीड्स, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री हुकुम चंद्र अग्रवाल** मे. अग्रवाल क्लॉथ स्टोर, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री ईश्वर प्रसाद अग्रवाल** पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री किशोर तयाल** मे. तयाल ट्रेडर्स, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा
श्री करोड़ीमल अग्रवाल मेन रोड, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री कृष्णा कुमार अग्रवाल** मे. नवीन स्टोर, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री कुश अग्रवाल** मे. कम्टेफ ट्रेडर्स, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री महेश अग्रवाल** मे. माँ वैष्णोदेवी राइस मिल, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री नरेश कुमार अग्रवाल** पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा
श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल मे. जीवन ज्योति मेडिकल हॉल, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल** पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री प्रमोद अग्रवाल** पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री रवि अग्रवाल** मे. रवि किराना स्टोर, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** अमरपल्ली, मीठापल्ली, बरगढ़, ओडिशा
श्री राजेश कुमार अग्रवाल मे. साईं ऑटो पार्ट्स, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री राकेश कुमार अग्रवाल** पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री राम कुमार अग्रवाल** पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री राम कुमार गुप्ता** पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सचिन अग्रवाल** पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा
श्री सजन कुमार अग्रवाल पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री संतोष कुमार अग्रवाल** मेन रोड, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुमित अग्रवाल** मे. मंगल टी.वी.एस., पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** सुंगरीपाल, मीठापल्ली, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** मे. श्री फार्मास्यूटिकल्स, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री सुरेश कुमार अग्रवाल मे. नरेश स्टोर, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** मे. हेल्थ केअर, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** मे. नरेश किराना स्टोर, पाईकमल, बरगढ़, ओडिशा	**श्री भूषण अग्रवाल** मेन रोड, नजदीक पुलिस स्टेशन, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री बिमल कुमार जैन** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री बिनोद कुमार अग्रवाल नजदीक शिवा टेम्पल, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री विष्णु प्रसाद अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री ब्रिजमोहन शर्मा** दलीगुड़ा, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री दायत्री जैन** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री दयाराम अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री देवी प्रसाद अग्रवाल मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री धर्मपाल शर्मा** दलीगुड़ा, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री दिलीप कुमार अग्रवाल** नजदीक शिवा टेम्पल पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री दिनेश कुमार अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री गोविंद जैन** दलीगुड़ा, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री गौतम अग्रवाल मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री गोविंद कुमार अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री हरि मोहन शर्मा** दलीगुड़ा, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री जयभगवान जैन** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री कैलाश चंद्र अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री केशव अग्रवाल मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री किशन कुमार अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री ललित मोहन शर्मा** दलीगुड़ा, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री मदनलाल अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री महेन्द्र अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री मनोज कुमार अग्रवाल नजदीक शिवा टेम्पल, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री मोहनलाल जैन** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री मुरारी जैन** दलीगुड़ा, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री नवकिशोर अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री नरेश अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री निखिल अग्रवाल मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री रविन्द्र कुमार अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री राज कुमार जैन** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मेन रोड, नजदीक पुलिस स्टेशन, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री रमेश कुमार अग्रवाल मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री सागर जैन** बाँका स्ट्रीट, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री संजीव कुमार अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री शंकरलाल अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री शंकरलाल जैन** बाँका स्ट्रीट, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा
श्री सत्यनारायण जैन बाँका स्ट्रीट, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री शिवप्रसाद अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**श्री तुलसीराम अग्रवाल** मेन रोड, पापड़ाहांडी, नबरंगपुर, ओडिशा	**डॉ. बबल कुमार अग्रवाल** रामजी चौक, मेन रोड, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा
श्री अनिल अग्रवाल मे. विनायक इलेक्ट्रिकल्स, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री अनिल कुमार अग्रवाल** मे. पटना मेडिकल हॉल, मेन रोड, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री अनुप कुमार जैन** मेन रोड, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री चंचल कुमार गोयल** मे. हिमानी मेडिकल्स, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री दीनदयाल छापड़िया** मे. उदयराम हजारीमल, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा
श्री गजानन जैन रामपुर, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री गजानंद अग्रवाल** मे. जीवनसेवा, मेन रोड, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री गोविंद राम जैन** मे. राहुल एंटरप्राइजेज रामपुर (पी), बलांगीर, ओडिशा	**श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल** रामजी चौक, मेन रोड, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री केशव छापड़िया** मे. लक्ष्मी नारायण ट्रेडर्स, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा
श्री मुकेश कुमार जैन पोस्ट- रामपुर, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री मुरारी प्रसाद अग्रवाल** रामजी चौक, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री प्रबीर अग्रवाल** मे. पटनेश्वरी क्लॉथ स्टोर, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री राज कुमार अग्रवाल** मे. सम्लेश्वरी मेडिकल स्टोर पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री रतनलाल अग्रवाल** मे. पटना मेडिकल स्टोर, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा
श्री संजय अग्रवाल मेन रोड, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री सुभाष कुमार जैन** रामपुर, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** कादोपाड़ा, पटनागढ़, बलांगीर, ओडिशा	**श्री आलोक अग्रवाल** मे. संदीप स्टोर, राइरंगपुर, मयूरभंज, ओडिशा	**श्री आनंद कुमार अग्रवाल** नजदीक श्रीजगन्नाथ मंदिर, राइरंगपुर, मयूरभंज, ओडिशा

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**

- **Radiology**

- MRI / CT / Scan	- Digital X-Ray
- Ultrasonography	- Colour Doppler Study

- **Cardiology**

- ECG	- Echo-Cardiography
- Echo-Colour Doppler	- Holter Monitoring

- Treadmill Test (TMT)

- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 31st July 2020
RNI Regd. No. 2866/1968

MUSCLE TEE

RUPA
FRONTLINE
HUNK

083
082
072
078

IS THERE A HUNK IN YOU?
www.rupa.co.in | Toll-Free No.: 1800 1235 001 | www.rupaonlinestore.com

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com